संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-23 अंक- 05
पृष्ठ 8
रविवार
20 सितम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- खरीदने से पहले जान लें चाय...

विचार- ब्रिक्सः ग्लोबल साउथ की गूंज मजबूत

खेल- जोस बटलर ने रचा इतिहास...

पर्यावरण संरक्षण में भारत का बजा डंका

पीएम मोदी बोले- दुनिया को दिशा दिखा रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्यूचर ऑफ एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट डायनेमिक्स (पर्यावरण और जलवायु गतिशीलता का भविष्य) विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि लंबे समय से कार्बन उत्सर्जन की जिम्मेदारी गलत तरीके से विकासशील देशों पर डाली जाती रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हकीकत यह है कि प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन में भारत का योगदान वैश्विक औसत के आधे से भी कम है। वहीं विकसित देशों में प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन भारतीयों की तुलना में छह गुना अधिक है। भारत इन तथ्यों को वैश्विक मंचों पर पूरी मजबूती से रखता है। उन्होंने हर भारतवासी से भी इस दिशा में आत्मविश्वास और दम दिखाने की बात कही।

> प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन में भारत का योगदान वैश्विक औसत के आधे से भी कम है। विकसित देशों में प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन भारतीयों की तुलना में छह गुना अधिक है। भारत इन तथ्यों को वैश्विक मंचों पर पूरी मजबूती से रखता है।
>
> *नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री*

पीएम मोदी ने बताया कि भारत दुनिया के साथ मिलकर पर्यावरण संरक्षण के नए मानक तय कर रहा है। उन्होंने श्वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिडश, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए), सीडीआरआई, वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन, अंतरराष्ट्रीय बिग कैट गठबंधन और श्मिशन लाइफश जैसी पहलों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ये सभी मंच पर्यावरण और वन्यजीवों के प्रति भारत के समर्पण का प्रमाण हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 12 वर्षों में भारत ने पर्यावरण के हर क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है। भारत जी-20 का इकलौता ऐसा देश है, जिसने पेरिस में कॉप-21 सम्मेलन में किए गए अपने संकल्पों को समय सीमा से पहले पूरा करके दिखाया है। आज गैर-जीवाश्म ईंधन, सौर ऊर्जा क्षमता और कार्बन उत्सर्जन पर रोक जैसे मानकों पर भारत के प्रदर्शन की चर्चा पूरी दुनिया में है।

सौर ऊर्जा का ब्योरा देते हुए उन्होंने कहा कि 12 साल पहले देश की सौर क्षमता केवल 2 गीगावाट थी, जो आज बढ़कर 160 गीगावाट के पार हो चुकी है। सरकार ने श्पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनाश् के तहत घरों को सौर ऊर्जा उत्पादन का केंद्र बनाने का मिशन शुरू किया। इस योजना के तहत अब तक 50 लाख से अधिक घरों में सोलर पैनल लग चुके हैं। यह संख्या कई देशों के कुल मकानों से भी अधिक है। सरकार ने ऐसे प्रत्येक परिवार को करीब 80,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत आज क्लीन मोबिलिटी और ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में तेजी से काम कर रहा है। हाल ही में भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू हुई है, जो दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन है। यह स्वच्छ परिवहन के एक नए युग का आगाज है।

उन्होंने बताया कि बीते 12 वर्षों में देश की पवन ऊर्जा क्षमता में तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। हाइड्रो ऊर्जा क्षमता में भी मजबूत विस्तार हुआ है। इसके साथ ही देश अब परमाणु ऊर्जा उत्पादन पर भी तेजी से ध्यान केंद्रित कर रहा है। इन क्षेत्रों में निजी कंपनियों के लिए नए रास्ते खोले जा रहे हैं। इन प्रयासों के दम पर भारत की गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता में 400 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। परिवहन क्षेत्र में आए बदलावों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि साल 2014 से पहले देश में हर साल सिर्फ 3,000 इलेक्ट्रिक वाहन बिकते थे। वहीं पिछले साल करीब 25 लाख इलेक्ट्रिक वाहन बिके हैं। इसके अलावा फास्टैग व्यवस्था लागू होने से टोल प्लाजा पर वाहनों का इंतजार घटा है और ईंधन की थपत में भारी कमी आई है। उन्होंने बताया कि 2014 से पहले केवल 5 शहरों में 250 किलोमीटर से कम का मेट्रो नेटवर्क था।

आईआईटी रुड़की दीक्षांत समारोह : एनएसए अजीत डोभाल बोले

आप 1,000 साल में सबसे भाग्यशाली पीढ़ी

रुड़की (एजेंसी)। उत्तराखंड स्थित आईआईटी रुड़की के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने डिग्री पाने वाले छात्रों को संबोधित किया। इस दौरान अजीत डोभाल ने छात्रों को पिछले एक हजार साल की सबसे भाग्यशाली पीढ़ी बताया। वहीं हरीश साल्वे ने बदलती विश्व व्यवस्था के बीच छात्रों को उनकी जिम्मेदारियों का अहसास कराया।

एनएसए अजीत डोभाल ने छात्रों से कहा- शायद आपको इस बात का एहसास नहीं है कि आप पिछले 1,000 वर्षों की सबसे भाग्यशाली पीढ़ी हैं, जिसके पास अवसरों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि उनसे पहले की पीढ़ियां गुलामी के दौर में संघर्ष कर रही थीं और उनके सामने ऐसे रास्ते नहीं खुले थे। आज न सिर्फ देश में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी परिस्थितियां पहले से काफी बेहतर हुई हैं। उन्होंने कहा कि छात्र ऐसे दौर में आ रहे हैं, जहां किसी भी देश या समाज की तरक्की के लिए तकनीक सबसे महत्वपूर्ण आधार बनने जा रही है।

डोभाल ने कहा कि छात्र देश के सबसे प्रतिष्ठित और पुराने संस्थानों में से एक से पास हो रहे हैं, जिसने देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने छात्रों के माता-पिता को बधाई दी, जिन्होंने बच्चों को प्रेरित किया और उन्हें इस उपलब्धि तक पहुंचाया। इसके साथ ही उन्होंने शिक्षकों और प्रोफेसरों का भी आभार जताया, जिन्होंने ऐसा माहौल तैयार कर ज्ञान दिया जिससे छात्र खुद के साथ-साथ समाज, राष्ट्र और मानवता की भलाई में अपना योगदान दे सकें।

> आप पिछले 1,000 वर्षों की सबसे भाग्यशाली पीढ़ी हैं, जिसे इतने सारे अवसर मिलने वाले हैं। आपसे पहले की पीढ़ियां गुलामी के साये में जी रही थीं। उन्हें वे अवसर नहीं मिले जो आज आपको मिल रहे हैं।
>
> *अजीत डोभाल, एनएसए*

कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने कहा कि यह ऐसी पहली पीढ़ी है, जो एक ऐसी दुनिया में जा रही है जो खुद को नए सिरे से बदलने की जद्दोजहद में लगी है। उन्होंने कहा कि उनकी पीढ़ी जिस पुरानी विश्व व्यवस्था को देखती आई थी, आज उसका रूप पूरी तरह बदल चुका है। जिस नियम-आधारित व्यवस्था को कभी स्वाभाविक मान लिया गया था, वह अब पहले जैसी सुरक्षित नहीं रही। यह व्यवस्था कभी बहाल होगी या नहीं, इसका फैसला वक्त करेगा।

साल्वे ने कहा कि अपनी आजादी और लोकतंत्र को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि वह खुद आजादी के बाद पैदा हुए हैं। उनकी पीढ़ी ने कानून के राज को बहुत सहज मान लिया था और वे कम सुविधा वाले देशों को दया भाव से देखते थे।

महंगाई झेल रही जनता आगामी चुनावों में प्रधानमंत्री को 'आटे-दाल का भाव' बताएगी : जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने महंगाई के मुद्दे को लेकर शनिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा की जनता आगामी विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को श्श्आटे-दाल का भावश्श बता देगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने श्एक्सश पर एक पोस्ट में यह आरोप भी लगाया कि आम आदमी महंगाई से परेशान है, जबकि सरकार श्सच्चाई छिपानेश्श और आंकड़ों की श्श्बाजीगरीश्श के जरिए महंगाई पर नियंत्रण का दावा करने में जुटी है। उन्होंने कहा, श्श्आम आदमी की थाली महंगी होती जा रही है, लेकिन सरकार आंकड़ों की बाजीगरी से महंगाई पर काबू पाने का दावा करना चाहती है।श्श कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण आटा, दाल और खाद्य तेल समेत रसोई के जरूरी सामान की कीमतों से घरेलू बजट लगातार प्रभावित हो रहा है। रमेश ने दावा किया कि जहां करोड़ों परिवार महंगाई से परेशान हैं, वहीं श्श्कुछ मित्र पूंजीपतिश्श इसका लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने सरकार पर महंगाई के मुद्दे पर वास्तविक स्थिति छिपाने का भी आरोप लगाया।

सीएम योगी ने 21 युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र, बोले

हमने ग्रुप-3 व 4 भर्ती में इंटरव्यू सिस्टम बंद किया

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार की ओर से शनिवार को प्रदेश भर में 818 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग व उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग में अनुदेशक, सूक्ष्म-लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग में सहायक सांख्यिकीय अधिकारी, आयुष विभाग में प्रोफेसर, रीडर, लेक्चरर व फार्मासिस्ट तथा चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में एक्सरे टेक्नीशियन के पद पर चयनित युवाओं को उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र मिला।

उन्होंने कहा कि हमने मॉडर्न व ट्रेडिशनल मेडिसिन पर काम किया। अब आयुष विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज आदि बन रहे हैं। भर्ती प्रक्रिया (विज्ञापन से नियुक्ति पत्र वितरण तक) की समयबद्धता, मेरिट को लेकर समीक्षा हो रही है। पहले विज्ञापन जारी होते ही सिंडिकेट व गिरोह वसूली के धंधे में व्यस्त हो जाते थे। बची-खुची कसर इंटरव्यू पूरी कर देता था। हमने ग्रुप-3 व 4 भर्ती में इंटरव्यू सिस्टम समाप्त कर दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'मिशन रोजगार' के अंतर्गत शनिवार को एक लाख नई नौकरियों का शुभारंभ किया। उन्होंने नवचयनित 818 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे और उन्हें शुभकामनाएं दीं। सरकार पर प्रश्न खड़ा करने वाले समाजवादी पार्टी के नेताओं से सीएम योगी ने कहा, आप गिनते जाइए, हम छह महीने में एक लाख से अधिक नौजवानों को नियुक्ति देंगे। आज तीन विभागों के नियुक्ति पत्र दे रहे हैं।

रविवार को भी लगभग हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र देंगे। यह प्रक्रिया अनवरत चलेगी। यूपी पुलिस में 36 हजार, होमगार्ड में 41-42 हजार युवाओं की नियुक्ति करेंगे। इनके मेडिकल व फिजिकल की प्रक्रिया चल रही है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) के अगले छह महीने में जारी होने वाले परिणामों से 25-30 हजार नए युवाओं को अवसर मिलेंगे।

महिला सुरक्षा की सिर्फ बातें

दिल्ली में नाबालिग से दरिंदगी पर प्रियंका ने उठाए सवाल, बोलीं- एफआईआर तक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने दिल्ली में नाबालिग बच्ची के कथित सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के मामले पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इस घटना को लेकर देश में महिला सुरक्षा की स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। प्रियंका गांधी ने श्एक्सश पर एक पोस्ट के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने लिखा कि दिल्ली में एक 17 साल की बच्ची के साथ क्रूरता की सारी हदें पार कर दी गईं। इसके बाद उसे बर्बरता से मार डाला गया। प्रियंका गांधी ने यह भी बताया कि कुछ ही दिनों पहले एक और नाबालिग लड़की का बलात्कार किया गया था।

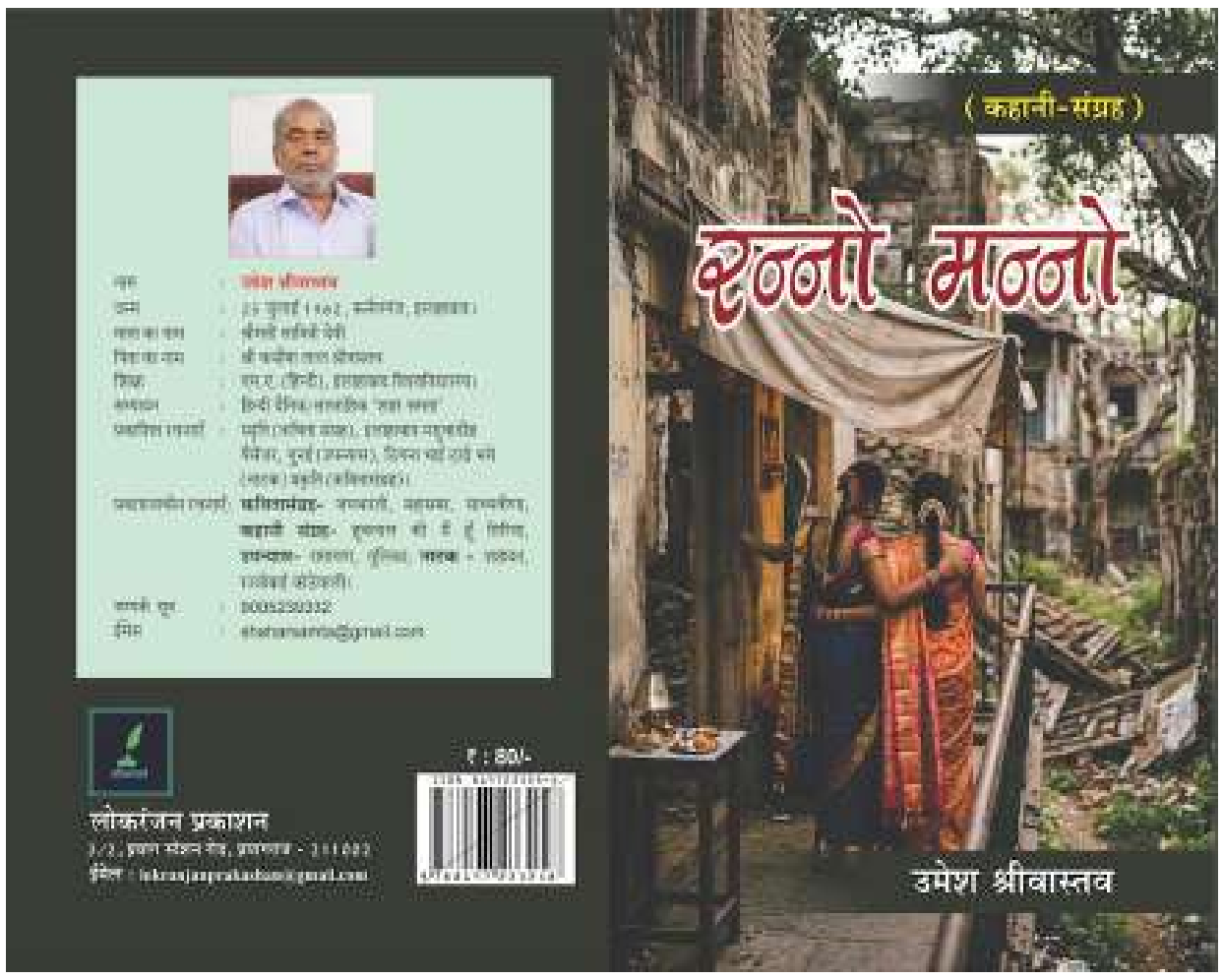

डीसीपी सिटी का एक्स अकाउंट हैक 100 से ज्यादा किए गए संदिग्ध पोस्ट

प्रयागराज। डीसीपी सिटी के आधिकारिक एक्स अकाउंट में सेंध लगाकर क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े 100 से अधिक संदिग्ध पोस्ट करने के मामले में साइबर क्राइम थाने में बृहस्पतिवार को एफआईआर दर्ज की गई है। अकाउंट की प्रोफाइल फोटो भी बदल दी गई। साइबर पुलिस जांच शुरू कर दी है। उपनिरीक्षक सुशील कुमार सिंह ने साइबर क्राइम थाने में तहरीर देकर बताया कि डीसीपी सिटी का आधिकारिक एक्स हैंडल 22 अगस्त की रात तक सामान्य रूप से चल रहा था। रात करीब 11रू10 बजे अकाउंट से करेली में हुए हादसे के संबंध में एक यूजर को जवाब भी दिया गया था। इसके बाद कोई आधिकारिक पोस्ट या रिप्लाई नहीं किया गया। अगले दिन अकाउंट से अचानक संदिग्ध संदेश पोस्ट होने लगे। 23 अगस्त की सुबह करीब 10रू39 बजे डीसीपी सिटी के आधिकारिक एक्स अकाउंट के अनधिकृत रूप से एक्सेस किए जाने की जानकारी हुई। जांच करने पर पता चला कि अकाउंट के लॉगिन क्रेडेंशियल बदल दिए गए हैं। इसके बाद अकाउंट से एक ही तरह के 100 से ज्यादा संदिग्ध पोस्ट किए गए थे। जानकारी मिलने पर एक्स इंडिया को रिपोर्ट भेजकर अकाउंट को अस्थायी रूप से सस्पेंड कराया।

अकाउंट को दोबारा सक्रिय कराने के लिए एक्स कंपनी से ईमेल के माध्यम से संपर्क किया गया लेकिन अब तक अकाउंट का दोबारा एक्सेस नहीं मिल सका है। डीसीपी साइबर मनीष शांडिल्य ने बताया कि साइबर क्राइम थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। छानबीन की जा रही है।

200 मीटर की दौड़ में साक्षी और रोहित ने मारी बाजी

प्रयागराज। प्राथमिक विद्यालय रुहेरा के खेल मैदान पर शुक्रवार को ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता हुई। इसमें ब्लॉक के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। खंड शिक्षा अधिकारी बहरिया लाल जी शर्मा ने दीप

प्रज्वलन कर इसका शुभारंभ किया। बालिका वर्ग के 50 मीटर दौड़ में चंचल और बालक वर्ग में रामकुमार विजेता रहे। बालिका वर्ग के 100 मीटर दौड़ में प्रतिज्ञा और बालक में रामकुमार ने जीत हासिल की, जबकि जूनियर वर्ग में राधिका और आयुष विजेता बने। 200 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में साक्षी और बालक वर्ग में रोहित ने पहला स्थान पाया। खो–खो में बालक वर्ग में सिसई सिपाह और बालिका वर्ग में मीरकपुर की टीम विजेता रही। कबड्डी में बालिका वर्ग में कंपोजिट विद्यालय गारापुर और बालक वर्ग में कंपोजिट विद्यालय बलकरनपुर ने जीत दर्ज की। खंड शिक्षा अधिकारी लाल जी शर्मा ने विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। मौके पर संगीता सिंह, अंशु तिवारी, विष्णु कांत, मनीलाल, प्रभाकर मिश्रा, संध्या जायसवाल, रेनू पांडेय और मृणालिनी आदि रहे।

जलभराव में डूब गए किसानों के सपने

प्रयागराज। पिछले दिनों हुई बारिश ने किसानों की कमर तोड़ दी है। क्षेत्र में नहर की सिल्ट सफाई न होने से गांवों के खेतों में जलभराव है। पखवाड़ेभर से पानी जमा रहने के कारण सैकड़ों बीघा धान की फसलें सड़कर बर्बाद हो गई हैं। इस जलभराव ने किसानों की मेहनत और उनके सपनों को डुबो दिया है। लालगोपालगंज के निंदूरा ग्रामसभा और आसपास के

गांवों में हालात बेहद खराब हैं। पलयें, करहिया, दुईजी का पूरा, अइलहवा, महरैया, सुखला का पूरा, मलंग की तकिया और इदिया का पूरा आदि गांवों के खेत आज भी पानी से भरे हैं। पानी की निकासी न होने से फसलें गल चुकी हैं। भैयाराम, मुन्नालाल, तुलसीराम पटेल, नारायण, दयाराम, वीरेंद्र कुमार, सोनू, शिवलाल, किशोरी लाल, रामनरेश, सुनील कुमार और मोहम्मद असलम जैसे किसान बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। किसानों का कहना है कि सिंचाई विभाग की लापरवाही से नहर की सफाई नहीं हुई। इससे अच्छी पैदावार की आस लगाए बैठे किसानों के सामने रोजी–रोटी का संकट आ गया है। धान की फसल से किसानों को बेटी की शादी और बैंक व साहूकारों का कर्ज चुकाने की उम्मीदें थीं। किसान राममूरत ने बताया कि दिन–रात मेहनत से रोपाई की थी, पर अब सब पानी में सड़ गया है। किसान रामसबद ने नहर विभाग की लापरवाही को इसका नतीजा बताया। समाजसेवी मोहम्मद आतिफ ने शासन–प्रशासन से नुकसान का सर्वेक्षण कराकर उचित मुआवजा देने की मांग की है। किसान चेतराम ने कहा कि फसल बर्बाद होने से बेटी के हाथ पीले कैसे होंगे, यह चिंता सता रही है।

बारिश से धान की फसल बर्बाद

प्रयागराज। मऊआइमा के छाता डीह में दो सप्ताह से अधिक समय से जलभराव है। बारिश से सैकड़ों बीघा धान की फसल

सड़ गई है। इससे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया। उन्होंने प्रशासन से फसल क्षति का सर्वे कर मुआवजा मांगा है। किसानों का कहना है कि उन्होंने कर्ज लेकर धान की फसल तैयार की थी। फसल से अच्छी पैदावार और आमदनी की उम्मीद थी, लेकिन लगातार जलभराव के चलते खेतों में खड़ी फसल नष्ट हो गई। किसानों के मुताबिक, खेती में लगाई गई उनकी पूरी जमा पूंजी पानी में डूबकर बर्बाद हो गई। प्राकृतिक आपदा ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया है।

यूपीआई से परहेज... दुकानों से हटने लगे स्कैनर

प्रयागराज। यूपीआई से लेन–देन पर शुल्क लगाने की घोषणा का असर बाजारों में दिखने लगा है। यह शुल्क 15 अक्तूबर से लागू होगा लेकिन फुटकर से लेकर थोक विक्रेता अभी से यूपीआई से परहेज करने लगे हैं। दुकानों से क्यूआर स्कैनर हटने लगे हैं। कुछ दुकानदार आग्रह करने पर ऑनलाइन भुगतान ले रहे हैं। साथ में यह भी कह रहे हैं कि कुछ दिन बाद ये सब बंद हो जाना है। इसलिए नकद लेकर चलने की आदत डाल लीजिए।

व्यापारियों का तर्क है कि नए नियमों का सबसे अधिक असर सराफा, इलेक्ट्रॉनिक और निर्माण सामग्री से जुड़े कारोबारियों पर पड़ेगा। यूपीआई कारोबारियों के लिए लेन–देन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। यूपीआई भुगतान पर एमडीआर शुल्क लगाने से व्यापारियों की अतिरिक्त लागत बढ़ेगी। आखिर इसका भुगतान व्यापारी क्यों करे। सरकार ने ही ऑनलाइन भुगतान लेने और देने के लिए जागरूक किया था, तब यह नहीं कहा गया था कि भविष्य में इस पर शुल्क लगा दिया जाएगा।

उधर, शुक्रवार को सिविल लाइंस, चौक और लीडर रोड सहित कई इलाकों के एटीएम बूथ पर लोग पैसे निकालने के

लिए खड़े दिखे। पहले इन बूथों पर अमूमन कम ही लोग नजर आते थे। बैंक सूत्रों के अनुसार, सक्रिय क्यूआर कोड से जुड़े ग्राहकों की संख्या करोड़ों में है। हर माह बड़े पैमाने पर भुगतान भी हो रहा है। फिलहाल कोई सीधा असर नहीं दिख रहा है लेकिन एटीएम से निकासी बढ़ी है।

व्यापारियों की पक्ष

व्यापारी हिमांशु अग्रवाल कहते हैं कि यूपीआई लेन–देन का अच्छा माध्यम है। अब शुल्क लगने से कारोबार पर असर पड़ेगा। इससे व्यापारी परेशान होंगे क्योंकि कई उत्पाद में मामूली लाभ होता है।

इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश सिंह ने नए नियमों का विरोध किया है। उन्होंने 2000 रुपये के मर्चेंट यूपीआई भुगतान पर 0.4 फीसदी मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने का निर्णय तत्काल वापस लेने की मांग की।

दुकानों से क्यूआर कोड हटाकर नकद में व्यापार करेंगे कारोबारी

व्यापारियों का कहना – त्योहारों का सीजन शुरू होने वाला है, नई व्यवस्था से बढ़ सकती परेशानी

जिले के व्यापारी यूपीआई से भुगतान पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) की नई व्यवस्था से नाराज हैं। व्यापारियों ने स्पष्ट किया है कि वे दुकानों से क्यूआर कोड हटाकर नकद में व्यापार करेंगे।

यदि सरकार ने नई व्यवस्था वापस नहीं ली तो सप्ताह भर में व्यापारी अपनी दुकानों से क्यूआर कोड हटा देंगे। एमडीआर ग्राहक से नहीं बल्कि व्यापारी से लिया जाएगा। इलाहाबाद गल्ला तिलहन व्यापार मंडल सहित कई संगठनों ने इसका पुरजोर विरोध किया है। पदाधिकारियों का मानना है कि ऑनलाइन भुगतान से पहले ही कारोबार प्रभावित हो रहा है। पांच हजार रुपये की खरीदारी पर एमडीआर का भार व्यापारी पर ही आएगा। व्यापारी थोक बाजार में भी ऑनलाइन भुगतान करते हैं। त्योहारों का सीजन शुरू होने वाला है जिससे नई व्यवस्था से परेशानी बढ़ सकती है।

यूपीआई सुविधा बंद करने की अपील

राष्ट्रीय उद्योग व्यापार महामंडल और प्रयागराज व्यापार मंडल ने दुकानदारों से यूपीआई सुविधा बंद करने की अपील की है। राष्ट्रीय उद्योग व्यापार महामंडल के प्रदेश अध्यक्ष सुशांत केसरवानी ने बताया कि व्यापारियों और ग्राहकों के बीच भुगतान व्यवस्था को लेकर एक पोस्टर जारी किया है। संबंधित फर्म में यूपीआई से लेन–देन पर शुल्क सरचार्ज लगने के कारण सुविधा बंद करने के लिए कहा गया है।

व्यापारियों की अपील और चेतावनी

राष्ट्रीय उद्योग व्यापार महामंडल के प्रदेश संयोजक मनीष कुमार गुप्ता ने व्यापारियों से अपनी दुकानों पर भुगतान के उपलब्ध माध्यमों की स्पष्ट सूचना लगाने को कहा है। व्यापार मंडल ने कहा है कि ग्राहकों से यूपीआई के नाम पर अतिरिक्त राशि न वसूली जाए।

अनुप्रिया पटेल बोलीं : 2027 में तीसरी बार यूपी में बनेगी एनडीए सरकार, सीट बंटवारे को लेकर कोई मतभेद नहीं

प्रयागराज। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि एडीए गठबंधन पूरी तरह से एकजुट है और पूरी तैयारी के साथ आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटा है।

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि एडीए गठबंधन पूरी तरह से एकजुट है और पूरी तैयारी के साथ आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटा है। उन्होंने कहा कि जैसे 2017 और 2022 में एनडीए ने यूपी में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाई थी उसी तरह 2027 में भी तीसरी बार सरकार बनने जा रही है। केंद्रीय मंत्री ने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वह विधानसभा चुनाव में पूरी तैयारी के कासथ जुट जाएं।

कहा कि एनडीए के घटक दलों में कोई नाराजगी नहीं है। जैसे हाथ की पांचों अंगुलियां एकजुट हैं वैसे ही सारे घटक दल एनडीए के साथ पूरी मजबूती के साथ जुटे हुए हैं। आने वाले विधानसभा में यूपी की सभी 403 विधानसभा सीटों पर एनडीए पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी और जीत हासिल करेगी। कहा कि 2017 और 2022 से भी ज्यादा बहुत में चुनाव में जीत हासिल करेगी।

सीट बंटवारे को लेकर कोई चर्चा नहीं है

कहा कि एनडीए में सीटों बंटवारे को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। हमारा पूरा फोकस पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ने पर। सीटों के बंटवारे को लेकर कोई मतभेद नहीं है। हर सीट का अलग समीकरण होता है। इस लिहाज से चुनाव नजदीक आने पर बैठकर सीट बंटवारे पर चर्चा हो जाएगी।

एमएनएनआईटी में प्लेसमेंट के लिए तैयार होंगे विद्यार्थी, सीखेंगे कोडिंग और एआई

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी (एमएनएनआईटी) में छात्रों को प्लेसमेंट और तकनीकी इंटरव्यू के लिए तैयार करने के लिए दो विशेष इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किया गया है। प्रत्येक कार्यक्रम 60 घंटे का होगा। इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन हब एमएनएनआईटी फाउंडेशन (आईआईएचएमएफ) की ओर से 'डाटा स्ट्रक्चर्स एंड एल्गोरिदम्स फॉर प्लेसमेंट' और 'प्रोग्रामिंग मशीन्स फॉर एआई' नाम से दो कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम की फीस 2950 रुपये निर्धारित की गई है। पंजीकरण 15 सितंबर से शुरू हो चुके हैं। कक्षाएं 10 अक्तूबर से शुरू होंगी।

सीमित सीटों के कारण छात्रों को जल्द पंजीकरण कराने की सलाह दी गई है। पहले कार्यक्रम में डाटा स्ट्रक्चर, एल्गोरिदम, कोडिंग लॉजिक, समस्या समाधान और तकनीकी इंटरव्यू की तैयारी पर जोर रहेगा। वहीं, दूसरे कार्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और वास्तविक जीवन में एआई के उपयोग की बुनियादी समझ विकसित कराई जाएगी। कार्यक्रमों की खासियत इनका प्रैक्टिकल और इंडस्ट्री ओरिएंटेड स्वरूप है। शनिवार और रविवार को एमएनएनआईटी परिसर में ऑफलाइन प्रोजेक्ट और समस्या समाधान सत्र आयोजित किए जाएंगे। छात्रों को हैंड्सऑन एक्सरसाइज और वास्तविक परिस्थितियों पर आधारित कार्य भी कराया जाएगा।

विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक जानकारी देने के बजाय उन्हें वास्तविक समस्याओं पर काम करने और अपने तकनीकी कौशल को व्यवहार में उतारने का अवसर देना कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है। इससे विद्यार्थी प्लेसमेंट और बदलती तकनीकी जरूरतों के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकेंगे। –डॉ. राम कुमार मिश्रा, सीईओ, आईआईएचएमएफ

एक रुपये की पर्ची पर महज सलाह, बाकी हर काम के अलग-अलग दाम

प्रयागराज। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) में मरीजों के तीमारदारों को चिकित्सकीय परामर्श के अलावा हर सेवा के लिए भुगतान करना पड़ रहा है। अस्पताल में भर्ती होने के बाद तीमारदारों को मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति तब है जब अस्पताल में कई जीवन रक्षक दवाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। एसआरएन अस्पताल की पीएमएसएसवाई बिल्डिंग में न्यूरोलॉजी, यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, ऑन्कोलॉजी और एनेस्थीसिया आईसीयू वार्ड हैं। इन वार्डों में गंभीर मरीजों को रोजाना एक हजार रुपये बेड चार्ज देना पड़ता है। दवाइयां, शुगर जांच के लिए स्टिक और ब्लड जांच के लिए वायल भी बाहर से खरीदने पड़ते हैं। तीमारदारों के अनुसार, भर्ती मरीज को सिर्फ ग्लूकोज की बोतल मिलती है। बाकी सामान की सूची थमा दी जाती है और ब्लड रिपोर्ट के लिए कई बार चक्कर लगवाए जाते हैं। अस्पताल में रोजाना करीब 130 मरीज भर्ती होते हैं। तिमारदारों का आरोप है कि 40 फीसदी मरीजों के परिजन प्रतिदिन

करीब एक हजार रुपये की दवाएं बाहर से मंगाते हैं।

जीवन रक्षक दवाओं की कमी

एसआरएन अस्पताल में लंबे समय से कई जीवन रक्षक दवाएं और इंजेक्शन उपलब्ध नहीं हैं। इनमें नोराड्रलाइन, मिडाजोलम और फिनाइटोइन जैसे इंजेक्शन शामिल हैं। नोराड्रलाइन रक्तचाप बढ़ाने में सहायक है, जबकि मिडाजोलम ऑपरेशन से पहले घबराहट कम करता है। फिनाइटोइन मिर्गी के दौरों को नियंत्रित करता है और फेंटेनल गंभीर दर्द से राहत देता है।

मेरी माता जी का इलाज न्यूरोलॉजी विभाग में पिछले तीन दिनों से चल रहा है। रोजाना करीब एक हजार की दवा बाहर से खरीदकर लानी पड़ती है। कर्मचारियों का व्यवहार भी ठीक नहीं है। –हसन, तीमारदार

शुगर की जांच के लिए स्टिक और खून की जांच के लिए वायल खुद खरीदकर लाना पड़ता है। अगर शिकायत करो, तो मरीज को बाहर करने की बात कही जाती है। –राजीव कुमार, तीमारदार

मेरे बहनोई गंभीर हालत में वेंटीलेटर पर आईसीयू में भर्ती हैं। बुधवार को सीबीसी, एलएफ वन, ऐजी, एसआईई व ट्रॉप आई की जांच के लिए सैंपल जमा किया। सीबीसी की रिपोर्ट शाम को मिल गई। अन्य रिपोर्ट के लिए चार बार केंद्रीय पैथोलॉजी में दौड़ाया गया। अब कह रहे हैं कि सैंपल खराब हो गया। –ओपी त्रिपाठी, तीमारदार

हमारे यहां सारी जीवन रक्षक दवाइयां उपलब्ध हैं। कुछ दवाइयों का ऑर्डर भी लगाया गया है। कोशिश की जा रही है कि मरीजों को कोई तकलीफ न हो। –डॉ. नीलम सिंह, प्रमुख अधीक्षक, एसआरएन अस्पताल।

अस्पताल में शिकायत बॉक्स है। अगर किसी प्रकार की समस्या है, तो अपनी शिकायत दर्ज कराएं। फिलहाल मरीजों का सैंपल काउंटर पर चेक होता है। अभी तक इस प्रकार की कोई शिकायत नहीं आई है। –डॉ. अंशुल सिंह, विभागाध्यक्ष, पैथोलॉजी विभाग, मेडिकल कॉलेज

जाम को लेकर सख्ती, बाहर बसें खड़ी मिलीं तो बंद होगा स्कूलः डीएम

प्रयागराज। स्कूलों के बाहर सड़क पर खड़े होने वाले वाहनों से लगने वाले जाम को लेकर जिला प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। शुक्रवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सभी स्कूल प्रबंधकों को वाहनों की पार्किंग स्कूल परिसर में ही कराने के निर्देश दिए। निर्देश का पालन नहीं करने वाले विद्यालयों के खिलाफ स्कूल बंद कराने तक की कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। डीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक में शहर में जाम और सड़क सुरक्षा से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने नैनी ब्रिज पर ओवरलोड वाहनों के खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट और धुंधली नंबर प्लेट वाले वाहनों की सघन जांच करने को कहा गया। शहर की सड़कों को गड्ढामुक्त करने के लिए नगर निगम, पीडीए और लोक निर्माण विभाग को जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर युद्धस्तर पर पैच मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए। जानसेनगंज से चमेली बाई धर्मशाला तक नाली निर्माण और यातायात के अनुरूप डिवाइडर में बदलाव के निर्देश भी दिए गए हैं। वहीं, बांगड़ चौराहे से लेप्रोसी की ओर आने–जाने वाले साइड डिवाइडर को तोड़कर मार्ग चौड़ा करने की जरूरत पर भी चर्चा हुई। इसके लिए लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई और एसीपी की संयुक्त टीम गठित की गई है। टीम एक सप्ताह में स्थलीय निरीक्षण कर रिपोर्ट देगी।

विदेशियों को लुभाएगा संगम नगरी का समोसा

प्रयागराज। ग्रेटर नोएडा में होने वाले उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में संगम नगरी के बलुआघाट के समोसे की दुकान सजेगी। शो 25 से 29 सितंबर तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में होगा। 56 देशों से आने वाले विदेशी इस पारंपरिक स्वाद का आनंद ले सकेंगे। शो में प्रदेश के जिलों के स्थानीय उत्पाद, व्यंजन और हस्तशिल्प प्रदर्शित होंगे। इसमें एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना से जुड़े उद्यमी हिस्सा लेंगे। सिंगापुर, जापान, अमेरिका सहित 56 देशों के मेहमान और करीब 10 लाख उत्पादक सहित लोग आएंगे। दुकानदार अमित यादव अपने समोसे को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पेश करने से खुश हैं। उनका मानना है कि इससे कारोबार को नई दिशा मिलेगी। अमित तीन प्रकार के समोसे बनाते हैं। इनमें आलू देसी घी का समोसा 15 से 20 दिन तक खराब नहीं होता है। वह सामान्य आलू और मटर पनीर के समोसे भी बनाते हैं। उनका समोसा 800 रुपये प्रति किलो बिकेगा। अमित 100, 250 और 500 ग्राम की पैकिंग करेंगे। उपायुक्त उद्योग शरद टंडन ने बताया कि शो में समोसे के लिए निशुल्क स्टॉल आवंटित किया गया है। समोसे की अच्छी पैकिंग और 20 दिन तक खराब नहीं होने की विशेषता के कारण इसका चयन हुआ है।

हाईकोर्ट ने बेटी की पढ़ाई के आधार पर सरकारी आवास खाली कराने पर दी राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस लाइन प्रयागराज के मुख्य परिचालक साहब सिंह यादव को राहत दी है। उन्हें तबादले के बावजूद सरकारी आवास खाली न करने की छूट दी गई है। यह राहत उनकी बेटी की पढ़ाई के कारण दी गई है। यह आदेश न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की एकलपीठ ने दिया है। याची साहब सिंह यादव का स्थानांतरण 21 मई 2026 को प्रयागराज से इटावा कर दिया गया था। याचिकाकर्ता की बेटी कक्षा नौ में पढ़ती है। याची ने पुलिस महानिदेशक के 21 नवंबर 2016 के पत्र का हवाला दिया। कहा कि किसी स्थानांतरित कर्मचारी का बेटा या बेटी कक्षा नौ या ग्यारह में पढ़ रहा हो। तब सक्षम प्राधिकारी उसे सरकारी आवास बनाए रखने की अनुमति दे सकता है। यह नियम कर्मचारियों को उनके बच्चों की शिक्षा में बाधा से बचाता है। याचिकाकर्ता ने इस आधार पर एक प्रत्यावेदन प्रस्तुत किया था। यह प्रत्यावेदन अभी भी सक्षम प्राधिकारी के समक्ष विचाराधीन है। इसके बावजूद 25 अगस्त 2026 को उन्हें आवंटित सरकारी आवास खाली करने का निर्देश दिया गया था। इस निर्देश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि जब तक याचिकाकर्ता के विचाराधीन प्रत्यावेदन पर कोई अंतिम आदेश पारित नहीं होता।

रावल में राधा अष्टमी पर उमड़ा आस्था का सैलाब

जन्मस्थली पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, पंचामृत अभिषेक के दर्शन को लगीं लंबी कतारें

मथुरा। संवाददाता अतुल कुमार जिंदल।

राधा रानी की जन्मस्थली रावल शनिवार को भक्ति के रंग में रंगी नजर आई। राधा अष्टमी पर सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। दूर–दराज से पहुंचे भक्तों ने राधा रानी के

दर्शन कर सुख–शांति और समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर दिनभर राधे–राधे के जयकारों से गूंजता रहा।

राधा रानी मंदिर में विशेष पूजा–अर्चना के बाद पंचामृत अभिषेक किया गया। अभिषेक के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। जन्मस्थली पर राधा रानी के जन्मोत्सव में शामिल होने पहुंचे भक्तों में खासा उत्साह दिखाई दिया। मंदिर और आसपास का क्षेत्र भक्ति और आस्था के रंग में सराबोर रहा।

भीड़ के बीच सुरक्षा व्यवस्था रही चौकस

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए। पुलिस बल तैनात रहा और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लगातार निगरानी की गई। श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण माहौल में राधा रानी के दर्शन किए। पुजारी बोले, राधा रानी की जन्मस्थली रावल में राधा अष्टमी का पर्व विशेष महत्व रखता है। देशभर से श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

ठाकुर हर नारायण सिंह ग्रुप आफ कालेजेज में नवप्रवेशी छात्रों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज। ठाकुर हर नारायण सिंह ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, प्रयागराज के कॉमर्स एवं मैनेजमेंट विभाग द्वारा नवप्रवेशी छात्रों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, करियर के अवसरों एवं

विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी गई।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. (डॉ.) शेखर शर्मा, विभाग इंटीग्रल बिजनेस स्कूल, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए वर्तमान एआई युग में करियर के अवसर एवं उभरती प्रवृत्तियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।कार्यक्रम में थ्वनदकमत बैंपतउंद श्री देवेंद्र सिंह, बैंपतउंद डॉ. उदय प्रताप सिंह, ब्न् एस. विनय प्रताप सिंह, समिति अध्यक्ष श्री गोविंद बिहारी मिश्रा एवं च्तपदबपचंस डॉ. अजय कुमार गोविंद राव उपस्थित रहे।

कॉमर्स एवं मैनेजमेंट विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.के. अग्रवाल सहित विभाग के शिक्षकों ने विद्यार्थियों को विभाग की गतिविधियों एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. आर.के. अग्रवाल, श्री नितिन वर्मा, श्री नन्दकुमार शर्मा, श्रीमती सुबुल सिद्दीकी, श्री शुभम गाण्डेय, श्रीमती मुस्कान खुर्शीद एवं श्रीमती निहारिका श्रीवास्तव समेत शिक्षक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में डीन श्री अखिलेंद्र प्रताप सिंह ने आभार व्यक्त किया। कुलसचिव श्री विपुल शर्मा ने मुख्य वक्ता प्रो. (डॉ) सैयद शाहिद मजहर को स्मृति–चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

राजाजीपुरम् में आज से बहेगी संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा की रसधारा

लखनऊ (संवाददाता)। राजाजीपुरम के ई–ब्लॉक स्थित गौरी शंकर पार्क में रविवार दिनोक 20 सितम्बर से 27 सितंबर तक संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा एवं सप्ताहिक ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। 108 कथा के अंतर्गत आयोजित होने वाले इस धार्मिक आयोजन में पूज्य आचार्य श्री मनोज कृष्ण जी महाराज कथा व्यास के रूप में श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का पारायण एवं रसपान कराएंगे। आयोजकों के अनुसार कथा का शुभारंभ 20 सितंबर रविवार को शाम 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक कथा का आयोजन किया जाएगा। इससे पूर्व रविवार प्रातः 9.00 बजे से पूरें राजाजीपुरम् क्षेत्र में एक भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। आयोजन के दौरान श्री दधीचि जयंती एवं जलझूलनी एकादशी व्रत के अवसर पर भी विशेष धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेगें। भारतीय जन सेवा समिति के अध्यक्ष शीलू बाजपेयी के अनुसार कथा के चौथे दिवस 1100 दीपकों से महाआरती तथा भगवान श्रीकृष्ण का भव्य जन्मोत्सव मनाया जाएगा। वहीं 27 सितंबर को सुबह 10 बजे से पूर्णाहुति एवं भंडारा (महाप्रसाद) आयोजित किया जाएगा। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में इस धार्मिक ज्ञानयज्ञ में उपस्थित होकर पुण्यलाभ लेने की अपील की।

राजधानी की सड़कों पर झमाझम बारिश

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के कई इलाकों में अचानक झमाझम बारिश शुरू हो गई। हजरतगंज के लालबाग इलाके में करीब 20 मिनट से लगातार बारिश होने से सड़कें सुनसान नजर आईं। अचानक तेज बारिश शुरू होने से राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश से बचने के लिए लोग आसपास की दुकानों और सुरक्षित स्थानों पर रुक गए। वहीं, सड़कों पर आवाजाही भी कम हो गई। बारिश के चलते शहर के कई इलाकों में मौसम सुहाना हो गया है। हालांकि, अचानक हुई बारिश ने लोगों की दिनचर्या प्रभावित कर दी। वाहन चालकों को भी बारिश के बीच सावधानी से सफर करना पड़ रहा है। स्थानीय स्तर पर बारिश की वजह से कुछ स्थानों पर यातायात की रफ्तार धीमी होने की भी स्थिति बन सकती है।

ब्लाक स्तरीय बालक्रीड़ा प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया दमखम

शुक्लपुर न्याय पंचायत की टीम बनी उरुवा ब्लाक की चैंपियन, बेदौली न्याय पंचायत की टीम रही उपविजेता

प्रयागराज। मेजाः विकास खंड उरुवा के परिषदीय विद्यालयों की ब्लॉक स्तरीय बालक्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन उच्च प्राथमिक विद्यालय अकोढा के प्रांगण में बड़े ही उत्साह एवं उमंग के साथ शनिवार को रंगारंग कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। जिसमें शुक्लपुर न्याय पंचायत की टीम ब्लॉक की चौंपियन रही। वहीं बेदौली न्याय पंचायत की टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता में ब्लॉक के कुल आठों न्याय पंचायतों के विभिन्न प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों से आए छात्र–छात्राओं ने कबड्डी, खो–खो, दौड़, लंबीकूद, ऊंचीकूद, गोला फेंक, डिस्कस, आलेख, सुलेख सहित विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित के साथ किया गया। प्रतियोगिता के दौरान ब्लॉक के खेल अनुदेशक अर्जुन सिंह, चंद्रशेखर भारतीया, मधुबाला पटेल, ध्यान सिंह, सबनम खा, सूर्यप्रकाश सिंह, उदय सिंह व जितेंद्र कुमार ने निर्णायक का दायित्व निभाते हुए पूरी ईमानदारी के साथ प्रतियोगिता को सकुशल संपन्न कराया। मेजबान विद्यालय के शिक्षक जनार्दन प्रसाद मिश्रा ने प्रतियोगिता में पधारे सभी आगन्तुक अतिथियों का बैच व माल्यार्पण कर स्वागत किया। ब्लॉक स्तरीय खोलकूद प्रतियोगिता में संविलियन विद्यालय ओनौर के बच्चों ने पी.टी. प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, कबड्डी जूनियर बालक वर्ग में संविलियन विद्यालय बीरपुर पठखौली प्रथम व संविलियन विद्यालय निबैया द्वितीय तथा जूनियर बालिका वर्ग में संविलियन विद्यालय बकचुदा प्रथम व संविलियन विद्यालय अमिलियाकलां द्वितीय

स्थान प्राप्त की। वहीं प्राथमिक कबड्डी बालक वर्ग प्राथमिक अमिलियाकलां प्रथम व प्राथमिक विद्यालय लोहारी द्वितीय तथा बालिका में प्राथमिक विद्यालय लेहड़ी प्रथम व प्राथमिक विद्यालय लोहारी द्वितीय स्थान प्राप्त कर विजेता होने का गौरव प्राप्त किया। दौड़ 100 मीटर बालक वर्ग में संविलियन विद्यालय अमिलियाकलां के छात्र सूरज कुमार ने प्रथम तथा संविलियन विद्यालय बीरपुर पठखौली के मोहित ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं दौड़ 100 मीटर बालिका वर्ग में संविलियन विद्यालय बीरपुर पठखौली की छात्रा वैभवी कुमारी ने प्रथम तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय बरवा की छात्रा विद्योत्तमा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक में संविलियन विद्यालय लोहारी के छात्र अंश यादव ने प्रथम व संविलियन विद्यालय ओनौर के छात्र मनीष कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर उपस्थित ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मनीष कुमार यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रतियोगिता में पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर उपस्थित ब्लॉक के शिक्षक नेता विनोद शुक्ला तथा एआरपी अजीत मिश्रा ने संयुक्त रूप से ब्लॉक की ओवर ऑल चौंपियन न्याय पंचायत शुक्लपुर की टीम को चौंपियन ट्रॉफी व प्रमाण–पत्र प्रदान की। वहीं एआरपी राजेश मिश्रा व जगदीश मिश्रा ने ब्लॉक की उपविजेता न्याय पंचायत लोहारी की टीम को उपविजेता ट्रॉफी व प्रमाण–पत्र प्रदान किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया। एआरपी अजीत मिश्रा ने कहा कि खेल बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मेजबान विद्यालय के प्रधानाध्यापक कृष्णा कांत सिंह ने प्रतियोगिता में पधारें अतिथियों का माल्यार्पण व अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सुरेंद्र शुक्ला ने किया। उक्त अवसर पर ब्लॉक व्यायाम शिक्षक मानिक चंद्र सिंह, पुष्कर दुबे, मुकेश शुक्ला, अरबिंद कुमार, राजेश कोलहा, राघवेंद्र प्रताप सिंह, बीआरसी लेखाकर कृष्ण कुमार शुक्ला, सुनील सिंह, राकेश कुमार सिंह, अखिलेश दुबे, अर्चना त्रिपाठी, जयंत कुशवाहा, डॉ.संजय त्रिपाठी, बृजेश यादव, सुनील मिश्रा, संतलाल, प्रवीण कुमार, दिनेश शुक्ला व सुनील विश्वकर्मा आदि कई विद्यालयों के शिक्षक, ग्रामवासी व अभिभावकों ने उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

हिंदी परववाड़ा के अंतर्गत `नवयुग का आह्वान: नशे से मुक्ति का काव्यपाठ' कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय में आयोजित ''हिंदी पखवाड़ा महोत्सव–2026'' के अंतर्गत '''नवयुग का आह्वान रू नशे

से मुक्ति का काव्यपाठ''' विषय पर काव्यपाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रचार–प्रसार के साथ–साथ काव्य के माध्यम से समाज में ''नशामुक्ति एवं स्वस्थ जीवन का संदेश'' प्रसारित करना था।

कार्यक्रम के ''मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री सिद्धार्थ शंकर त्रिपाठी'' रहे। वहीं ''विशिष्ट अतिथि श्री शशी सिंह तोमर, वित्त नियंत्रक, च्ळ८'' उपस्थित रहे। कार्यक्रम का ''स्वागत एवं उद्घाटन हिंदी विभाग के अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, कला संकाय, प्रो. आशुतोष कुमार सिंह'' द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने '''नवयुग का आह्वानः नशे से मुक्ति''' विषय पर अपनी कविताओं एवं काव्य प्रस्तुतियों के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों को रेखांकित करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। काव्यपाठ के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने तथा अपने जीवन, परिवार और समाज के प्रति जिम्मेदार बनने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि ''विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के आचार्यों ने भी काव्य प्रस्तुतियाँ दीं।'' संस्कृत विभाग से ''डॉ. पीयूष सर'', हिंदी विभाग से ''डॉ. बबलू यादव सर'' तथा भूगोल विभाग एवं अन्य विभागों के आचार्यों ने भी अपनी काव्य प्रस्तुतियों के माध्यम से कार्यक्रम में सहभागिता की। आचार्यों की प्रस्तुतियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और कार्यक्रम को साहित्यिक एवं सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाया।

कार्यक्रम के दौरान गीत एवं ग़ज़ल की प्रस्तुतियाँ भी दी गईं, जिन्होंने उपस्थित श्रोताओं को भाव–विभोर किया। ''संस्कृत विभाग से डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी सर ने एक मनमोहक ग़ज़ल प्रस्तुत की'', जिसे उपस्थित श्रोताओं ने सराहा। काव्य एवं ग़ज़ल की प्रस्तुतियों के माध्यम से नशामुक्ति, स्वस्थ जीवन तथा सकारात्मक सामाजिक मूल्यों का संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में अन्य शोधार्थियों की भी सक्रिय उपस्थिति रही, जिनमें ''शोधार्थी मनीष यादव, शिवानी सिंह एवं कोमल यादव'' सहित अन्य शोधार्थी उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों एवं उपस्थित शोधार्थियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम की ''संयोजक डॉ. अलका मिश्रा एवं डॉ. अजीत सिंह'' रहे, जबकि ''सह–संयोजक डॉ. बबलू यादव'' रहे। आयोजन को सफल बनाने में विभागीय सदस्यों एवं शोधार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम का ''सफल संचालन शोधार्थी सोनल सिंह'' ने किया तथा ''धन्यवाद ज्ञापन शोधार्थी सुरभी तिवारी'' द्वारा प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के अंत में ''हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजीत कुमार सिंह'' ने निर्णायक की भूमिका निभाई। काव्यपाठ प्रतियोगिता में ''प्रथम स्थान शोधार्थी रत्ना सिंह'', ''द्वितीय स्थान एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र हर्ष तिवारी'' तथा ''तृतीय स्थान एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा जया सिंह'' ने प्राप्त किया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं आचार्यों ने प्रतिभागियों की रचनात्मक प्रस्तुतियों की सराहना की तथा नशामुक्त एवं जागरूक समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

इस प्रकार 'नवयुग का आह्वान रू नशे से मुक्ति का काव्यपाठ' हिंदी पखवाड़ा महोत्सव–2026 के अंतर्गत साहित्यिक अभिव्यक्ति, सामाजिक चेतना और नशामुक्ति के संदेश को समर्पित एक सार्थक आयोजन रहा।

लखनऊ में डिवाइडर से टकराई रोडवेज बस, लगी आग

ड्राइवर–कंडक्टर ने कूदकर बचाई जान

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के थाना पारा क्षेत्रान्तर्गत भूहर पुल के पास जनरथ बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और आग लग गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। कोई जनहानि नहीं हुई है। दमकल विभाग के अनुसार शनिवार को थाना पारा क्षेत्रान्तर्गत बुद्धेश्वर–दुबग्गा मुख्य मार्ग पर भूहर पुल के पास एक रोडवेज जनरथ बस के दुर्घटनाग्रस्त होकर आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर थाना पारा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची।मौके पर जांच से ज्ञात हुआ कि पारा की ओर से दुबग्गा की तरफ जा जनरथ बस भूहर पुल के प्रारम्भ में पहुंचने पर अचानक अनियंत्रित होकर पुल के बाईं ओर बने डिवाइडर से टकरा गई। बस के डिवाइडर से टकराने के 2–3 मिनट बाद उसमें आग लग गई, जिससे बस में भीषण आग फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के समय बस में चालक एवं परिचालक मौजूद थे, जो बस से उतरकर सुरक्षित बाहर निकल गए।बस में आग लगने की सूचना पर फायर सर्विस की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और फायर सर्विस कर्मियों द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए आग को पूर्ण रूप से बुझा दिया गया। आग बुझने के बाद पुलिस द्वारा बस के अंदर जाकर गहनता से निरीक्षण किया गया।

चर्चा नव्य विकास की

ऊँचे–ऊँचे ख़्वाब   शहर ने ज्यों दिखलाए।
छोड़ गाँव का मोह   लोभ में सब पगलाए।
गर्दन रही मरोड़   इमारत ऊँची– ऊँची।
सच्ची यह तस्वीर   खींचती रहती कूँची।
अहं भाव की साधना   चर्चा नव्य विकाश की।
काली छाया है बनी   जीवन सुखद–विहान की।।

करके बंद किवाड़   शान में ऐसे ऐंठे।
रिश्तों से मुंह मोड़   पड़ोसी घर में बैठे।
शहरी यह तहज़ीब   रखे बस उनसे नाता।
लालच में हो चूर   नित्य पेड़ों को खाता।
नए आधुनिक दौर की   अनुपम यह तस्वीर है।
मौन हवाएँ कह रही   मसला अति गंभीर है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

गंगानाथ झा परिसर में भारतीय ज्ञान परम्परा पर त्रिदिवसीय कार्यशाला का समापन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर के भारतीय ज्ञान परम्परा केन्द्र द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन आज दिनांक 19–09–2026 को परिसरीय पण्डित मदनमोहन मालवीय सभागार में आयोजित हुआ। ष्भारतीय ज्ञान परम्परा में अनुसंधान एवं शोध सम्भावनाएँष विषय पर दीनांक 17 सितम्बर 2026 से 19–09–2026 तक आयोजित इस कार्यशाला में देश के ख्यातिलब्ध विद्वानों एवं प्रख्यात शिक्षाविदों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किये जाएंगे। समापन सत्र में सारस्वतवक्ता के रूप में प्रो. रामकृष्ण पेज्जात्ताय, चाणक्य विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, विशिष्टवक्ता प्रो. वेकटरामनाथन, रसायनविभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एवं मुख्यवक्ता के रूप में प्रो. ऋषिकान्त पाण्डेय, दर्शन विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय रहे। प्रो. रामकृष्ण पेज्जात्ताय ने भारतीय ज्ञान परम्परा के क्षेत्र में

अनुसंधान की सम्भावनाओं एवं प्राप्त अवसरों के विषय में अपना सारगर्भित वक्तव्य प्रस्तुत किया। कार्यशाला में प्रशिक्षण के अपने अनुभव को अद्वितीय बताते हुए उन्होंने कार्यशाला को छात्रों के भविष्य की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के विशिष्टवक्ता प्रो. वेकटरामनाथन ने भारतीय ज्ञान परम्परा की समृद्धता से समस्त उपस्थित जनों को परिचित कराया। उन्होंने ज्ञान अर्जन की विधि को विशाल, निरन्तर एवं व्यापक बताया एवं उसके ही द्वारा शोध सम्भावनाओं के अन्वेषण पर बल दिया। मुख्यवक्ता प्रो. ऋषिकान्त पाण्डेय ने भारतीय ज्ञान परम्परा को एक समृद्ध कोष बताया जिसमें अनेकों विधाओं के रत्न समाहित हैं। उन्होंने इन रत्न कोषों का प्रत्येक रत्न बहुमूल्य एवं अप्रतिम बताया। अपने वक्तव्य द्वारा उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा के अध्ययन को भारतीय संस्कृति से परिचित होने का सुअवसर बताते हुए छात्रों को भारतीय ज्ञान परम्परा के क्षेत्र में अनुसंधान करने हेतु आमन्त्रित किया। कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता कर रहे परिसर के निदेशक प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" ने कार्यशाला में भारतवर्ष के सुदूर क्षेत्रों से आये हुए विद्वानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके द्वारा इस कार्यशाला को लाभान्वित करने की भूरि भूरि सराहना की। परिसर के पुस्तकालय की समृद्धता से उपस्थित छात्र–छात्राओं को परिचित कराते हुए उन्होंने उपलब्ध ग्रन्थों का शोध कार्यों में अधिकतम उपयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी ने किया।

इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों से आये हुए शोध्च्छात्रों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर श्री राजेशकान्त तिवारी, सन्दीप कुमार, गौरव आदि सहित परिसरीय अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

No. CC-6/E-Auction/SLR/2026 दिनांक: 17.09.2026

ई-नीलामी के लिए सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या-2022/TC(FM)/10/04, दिनांक 13.06.2022 (FM No. 11 of 2022) के संदर्भ में प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली निम्नलिखित ट्रेनों में पार्सल स्पेस (एसएलआर और वीपी) को पट्टे पर देने के अनुबंध के लिए आईआरईपीएस के ई-नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करता है।

पार्सल

क्र. सं.	कम्पार्टमेंट	गाड़ी संख्या	क्षमता (टन में)	कहाँ से कहाँ तक	आवृत्ति (हफ्ते भर में)	ई-नीलामी सूची सं.	ई-नीलामी प्रारंभ दिनांक और समय
1	FSLR	12275	3.9	PRYJ-NDLS	03 DAYS	PRYJ-PRCL-26-09	30.09.26 at 11:30 hrs
2	FSLR	20433	3.9	SFG-SVDK	07 DAYS	PRYJ-PRCL-26-09	30.09.26 at 11:30 hrs
3	FSLR	12033	3.9	CNB-NDLS	03 DAYS	PRYJ-PRCL-26-09	30.09.26 at 11:30 hrs
4	FSLR	20437	3.9	PRYJ-UDN	01 DAYS	PRYJ-PRCL-26-09	30.09.26 at 11:30 hrs
5	FSLR	22443	3.9	CNB-BDTS	01 DAYS	PRYJ-PRCL-26-09	30.09.26 at 11:30 hrs

पार्किंग

क्र. सं.	पार्किंग का विवरण	अवधि	ई-आवंटन कैटलाग संख्या	ई-आवंटन प्रारंभ तिथि एवं समय
1	विन्ध्याचल रेलवे स्टेशन पर पार्किंग स्टैंड	03 वर्ष	PARKING-BDL-MNQ	28.09.2026 को 12:00 बजे
2	मैनपुरी रेलवे स्टेशन पर पार्किंग स्टैंड	03 वर्ष	PARKING-BDL-MNQ	28.09.2026 को 12:00 बजे
3	चोला रेलवे स्टेशन पर पार्किंग स्टैंड	03 वर्ष	PARKING-MX-CHL-26	01.10.2026 को 12:00 बजे

पे एंड यूज टायलेट

क्र. सं.	पे एंड यूज टायलेट का विवरण	अवधि	ई-आवंटन कैटलाग संख्या	ई-आवंटन प्रारंभ तिथि एवं समय
1	अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर पे एंड यूज टायलेट (O&M)	03 वर्ष	PRYJ-PYU-ALJN-T	01.10.2026 को 11:30 बजे

इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए और 28 सितम्बर 2026 से 01 अक्टूबर 2026 के दौरान होने वाली ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं। (1) बोलीदाताओं, जो ई-नीलामी मॉड्यूल में भाग लेना चाहते हैं, के पास वैध डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र (डीएससी) होना चाहिए और इसे भारत सरकार के प्रमाणन प्राधिकरण (सीसीए) के नियंत्रक के किसी भी प्रमाणित प्राधिकारी से प्राप्त किया जा सकता है, इसका विवरण www.cca.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है। (2) बोलीदाताओं को आईआरईपीएस (वाणिज्यिक नीलामी मॉड्यूल) में खुद को ऑनलाइन पंजीकृत करना होगा। (3) एकमुश्त पंजीकरण शुल्क रु. 10000.00/- और लागू जीएसटी (गैर-वापसी योग्य) को किसी भी व्यावसायिक नीलामी में भाग लेने से पहले ऑनलाइन भुगतान करना होगा। (4) इस ई-नीलामी के संबंध में अधिक जानकारी, आवश्यकता और विभिन्न पहलुओं के लिए, इच्छुक बोलीदाताओं को http://www.ireps.gov.in/epsn/jsp/common/learningCenter.jsp पर जाने की सलाह दी जाती है। (5) अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (ईएमडी): नीलामी के दौरान ऑनलाइन जमा की जाने वाली कुल संविदात्मक बोली मूल्य का 5%, सफल बोलीदाता की ईएमडी सुरक्षा जमा के रूप में रखी जाएगी। (6) रेल प्रशासन इन गाड़ियों के जारी रहने/बंद होने या नई गाड़ी सेवाओं के शुरू होने के आधार पर किसी समय (या कोई) निर्णय लेने के लिए इन अनुबंधों को समाप्त करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। (7) सफल बोली लगाने वाले को लागू टर्मिनल विकास शुल्क और रेलवे प्रशासन द्वारा लगाए गए किसी भी अन्य शुल्क का भुगतान पार्सल स्पेस के लिए एकमुश्त लीज रेट के अलावा करना पड़ सकता है। (8) सफल बोली लगाने वाले को समय-समय पर लागू जीएसटी का भुगतान पार्सल स्पेस के लिए एकमुश्त लीज रेट और लागू टर्मिनल डेवलपमेंट चार्ज के ऊपर माल/पार्सल के परिवहन के लिए करना होगा। 2133/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

सुविधा का लेन–देन

इसमें दो राय नहीं कि पिछले एक दशक में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई देश में लेन–देन के एक लोकप्रिय और विश्वसनीय माध्यम के रूप में स्थापित हुआ है। इससे भी बढ़कर भारत की निरंतर डिजिटल होती अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी बना है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश में दो हजार रुपये से अधिक के लेन–देन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर चार्जेज कारोबारियों के ऊपर लगाने की बात कही गई है। इस घोषणा ने सरल–सुलभ लेन–देन करने वाले करोड़ों उपभोक्ताओं के मन में कई सवालों को जन्म दिया है। हालांकि, राहतकारी यह है कि नोटिफिकेशन में दो हजार तक के यूपीआई लेन–देन और रुपे डेबिट कार्ड पेमेंट्स पर कोई शुल्क न लगाने की बात कही गई है। लेकिन इससे देश में अधिक मूल्य वाले यूपीआई लेन–देन पर एमडीआर चार्जेज लगाने का रास्ता खुल गया है। बैंकों, सेवा प्रदाता संस्थाओं व विभिन्न एसोसिएशनों के प्रतिनिधि जल्द ही दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेन–देन पर शुल्क निर्धारण करेंगे। निस्संदेह किसी भी बेहतर सुविधा के लिए उपभोक्ता की भी आर्थिक जवाबदेही बनती है। उल्लेखनीय है कि साल 2016–17 में महज 0.07 लाख करोड़ रुपये के लेन–देन मूल्य से यूपीआई के जरिये 314 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। वैसे आम उपभोक्ता पर सीधे तौर पर एमडीआर लगने का प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि देश में 96 फीसदी लेन–देन दो हजार रुपये की सीमा में ही आता है। लेकिन यदि कारोबारियों पर दो हजार से अधिक के यूपीआई लेन–देन पर एमडीआर शुल्क लगता है तो येन–केन–प्रकारेण वे इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालने का ही प्रयास करेंगे। वास्तव में आज जब साइबर फ्रॉड के मामलों में लगातार अप्रत्याशित तेजी आ रही है तो हर रोज होने वाले करोड़ों डिजिटल भुगतानों की सुरक्षा करना भी जरूरी हो जाता है। विशेषकर, छोटे विक्रेताओं और आम उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए। निस्संदेह, सरकार का यह तर्क वाजिब है कि इतने बड़े इकोसिस्टम को हमेशा सरकारी अनुदान के भरोसे नहीं चलाया जा सकता है। यह भी हकीकत है कि सरकार को यूपीआई लेन–देन पर एमडीआर लागू इसलिये करना पड़ा क्योंकि यूपीआई नेटवर्क चलाने के लिए हर साल बीस हजार करोड़ का बोझ उसे वहन करना पड़ता है। पहले सरकार ने डिजिटल लेन–देन को बढ़ावा देने के लिए ग्राहक व पेमेंट लेने वाले व्यापारियों पर कोई फीस नहीं लगायी थी। लेकिन यूपीआई नेटवर्क के विस्तार के साथ इसे चलाने का खर्च भी लगातार बढ़ता चला गया। यूपीआई का कितनी तेजी से विस्तार हुआ, इस बात का पता इस आंकड़े से चलता है कि वर्ष 2026 के वित्तीय वर्ष में यूपीआई के जरिये हुए 24,161. 69 करोड़ लेन–देन 314 लाख करोड़ रुपये कीमत के हुए। इस बीच यूपीआई से जुड़े बैंकों की संख्या 44 से बढ़कर 703 हो गई है। देश में करीब 55 करोड़ लोग यूपीआई का उपयोग कर रहे हैं। निर्विवाद रूप से आज के दौर में साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने, इंफ्रास्ट्रक्चर और नवाचार के लिए लगातार नये निवेश करने की जरूरत होती है। ऐसे में दो हजार से अधिक मूल्य के व्यापारिक लेन–देन पर सीमित मात्रा में एमडीआर मॉडल बैंकों और भुगतान प्रदाताओं के लिए एक स्थायी राजस्व का तंत्र विकसित कर सकता है। वैसे हकीकत यह भी है कि भले ही सरकार एमडीआर सिर्फ व्यापारियों पर ही लागू कर रही है, लेकिन लागत बढ़ने पर व्यवसायी एमडीआर का कुछ हिस्से का बोझ मूल्य बढ़ोतरी के माध्यम से उपभोक्ताओं पर डाल देंगे। ऐसे में यूपीआई और सेवा नियामक कमेटी को स्पष्टता और पारदर्शिता के आधार पर फैसला लेना चाहिए। एमडीआर की राशि का निर्धारण कुछ इस तरह किया जाना चाहिए, जिससे छोटे व्यवसायियों पर अधिक दबाव न पड़े। लोगों का आपसी लेन–देन मुफ्त ही बना रहे और साथ ही दो हजार रुपये की सीमा में बदलाव न किया जाए। आज देश में यूपीआई व्यवस्था त्वरित, सस्ती और सार्वभौमिक भुगतान सुविधा के चलते अर्थव्यवस्था की एक बड़ी ताकत बन गयी है। ऐसे में सरकार को ऐसा मॉडल तैयार करना चाहिए, जो डिजिटल पेमेंट को जनसाधारण के लिए सहज व सुलभ रखे। साथ ही उस ढांचे को आर्थिक संबल दे जिस पर यह निर्भर है।

ब्रिक्सः ग्लोबल साउथ की गूंज मजबूत

भाषा सिंह

भारत की अध्यक्षता में दिल्ली में हुए ब्रिक्स के 18वें शिखर सम्मेलन की गूंज क्या वर्ल्ड ऑर्डर में किसी बड़ी तब्दीली का संकेत दे रही है। सम्मेलन शुरू होने से पहले ही यह माना जा रहा था कि 11 सदस्य देश आपसी साझेदारी– व्यापार–अनुसंधान आदि पर सहमति तक पहुंचेंगे और अमेरिका के वर्चस्व को सीधी चुनौती देने से बचेंगे। लेकिन ब्रिक्स के देश इससे आगे युद्ध और अमेरिका के टैरिफ वार के खिलाफ कड़ा संदेश देने में सफल रहे। इस सम्मेलन में भारत, चीन, रूस और ईरान ने युद्ध और बढ़ते भू–राजनीतिक दबाव से दुनिया भर में आम लोगों का जीवन तबाह होने और सप्लाई चेन बाधित होने की बात कही। भारत ने मौजूदा वैश्विक संकट की नब्ज पर हाथ रखते हुए क्रिटिकल मिनरल्स को हथियार बनाए जाने पर चिंता जताई साथ ही आगाह किया कि दुनिया का कोई संकट एक क्षेत्र में नहीं रहता, यानी उसकी मार सब पर पड़ती है। यह सबका भुगता हुआ सच है, चाहे वह रूस–यूक्रेन संघर्ष हो या फिर ईरान पर अमेरिका का हमलाकृ दुनिया के हर देश ने इनके असर को झेला है। यही वजह है कि ब्रिक्स 2026 के घोषणापत्र में तनावों और युद्ध जैसी स्थितियों को परस्पर संवाद से सुलझाने की बात पर जोर दिया गया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबु धाबी के क्राउन प्रिंस खालिद बिन मोहम्मद की ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान हुई अलग बैठक भी बहुत चर्चा में रही। पश्चिम एशिया में गहरे तनाव के बीच दोनों नेताओं का एक मंच पर मिलना अपने आप में महत्वपूर्ण था। दोनों ने तनाव घटाने, क्षेत्रीय स्थिरता और शांति की कोशिशों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। इस तरह ब्रिक्स सम्मेलन ने वर्ल्ड ऑर्डर को यह संदेश दिया कि वह परस्पर विरोधी हितों और तनावों के बीच भी संवाद का मंच बन सकता है। ब्रिक्स की शक्ति विविधता और सहयोग में है और सम्मेलन ने इस दिशा में खासी उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक संकटों से मुकाबला करने के लिए लचीला रुख अख्तियार करने की बात की। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि बिना नियमों के दुनिया एक ऐसे चौराहे जैसी है जहां ट्रैफिक लाइट ने काम करना बंद कर दिया हो। अंतरराष्ट्रीय नियमों को लिखने में सभी देशों की साझेदारी होनी चाहिए। 2027 में ब्रिक्स की अध्यक्षता चीन के पास होगी, लिहाजा शी जिनपिंग का यह कहना कि ब्रिक्स को इतिहास के सही पक्ष में खड़ा होना चाहिए, आने वाले समय में इस प्लेटफॉर्म की बढ़ती भूमिका के बारे में संकेत देने वाला है। ब्रिक्स घोषणापत्र 2026 में कहीं भी अमेरिका का नाम नहीं है, लेकिन उसके वर्चस्व को तगड़ी चुनौती दी गई है। खासतौर से टैरिफ वार और डॉलर पर निर्भरता घटाने की दिशा में स्थानीय मुद्राओं और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों पर जोर महत्वपूर्ण है। घोषणापत्र में सीमा–पार भुगतान प्रणालियों को बेहतर बनाने और ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार तथा निवेश में स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल को बढ़ावा देने पर चर्चा जारी रखने की बात कही गई है। ब्रिक्स के देश खासतौर पर अमेरिका के टैरिफ वार के निशाने पर रहे हैंकृचाहे चीन हो या भारत या फिर रूस। सभी के लिए इस टैरिफ के डंडे से बाहर निकलने का रास्ता खोजना प्राथमिकता रही और 11–13 सितंबर को ब्रिक्स के अलग–अलग प्लेटफॉर्म पर इस पर खूब चर्चा हुई। भारत ने संतुलित रुख अख्तियार करने की बहुत कोशिश की, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन व ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से गर्मजोशी भरी मुलाकातें और साथ में पौधा लगाना अलग ढंग का राजनीतिक संदेश दे रहे थे। संदेश साफ हैकृग्लोबल साउथ अपनी दावेदारी पेश कर रहा है और यह दुनिया को बहुध्रुवीय बनाने की दिशा में कदम है। घोषणापत्र के निशाने पर इजरायल भी है और खुलकर गाजा में हो रही हिंसा–बर्बरता के खिलाफ बोला गया हैकृजो अपने आप में ऐतिहासिक है। घोषणापत्र में कहा गया है कि ब्रिक्स के देश तमाम पक्षों से यह आग्रह करते हैं कि वे गाजा में युद्धविराम का सम्मान करें। ब्रिक्स फिलिस्तीनियों को जबरन बाहर ढकेलने के खिलाफ है और दो राष्ट्रों के निर्माण की अवधारणा के समर्थन में है। इस तरह से ब्रिक्स के तमाम देशों का फिलिस्तीन के पक्ष में आना और इजरायल के खिलाफ बोलना एक मायने में अमेरिका के स्टैंड के खिलाफ बोलना है। ब्रिक्स देशों ने सम्मेलन में आर्थिक– सामाजिक–राजनीतिक मुद्दों के साथ युद्ध, टैरिफ वार और प्रतिबंधों जैसी चुनौतियों पर बेहतर समझदारी विकसित की। बुनियादी तौर पर सहमति बनी कि ब्रिक्स देशों को एक–दूसरे पर आने वाले संकटों में साथ देना चाहिए। ब्रिक्स में बड़ी आर्थिक ताकत बनने का दम–खम है और सम्मेलन में उसका रोडमैप सामने आया। ब्रिक्स की असली परीक्षा अब घोषणाओं में नहीं, उन्हें लागू करने में होगी। इसी कमजोरी को दूर करने के लिए भारत ने ब्रिक्स कंटिन्युटी एंड इम्प्लीमेंटेशन मैकेनिज्म्य का प्रस्ताव रखा है, ताकि हर साल अध्यक्ष बदलने के साथ पिछले फैसले ठंडे बस्ते में न चले जाएं। विश्व कूटनीति में अब ग्लोबल साउथ की धमक आने वाले दिनों में और ज्यादा मजबूत होगी और यह विश्व शांति के लिए भला होगा।

(लेखिका अंतरराष्ट्रीय मामलों की जानकार हैं।)

मुनाफे और ताकत के दांव

राजेश पांडेय

इन दिनों दुनियाभर खासकर अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से होने वाली तबाही पर गर्म बहस छिड़ गई है। विश्व के भविष्य को लंबे समय तक प्रभावित करने वाली तकनीक में दो महाशक्तियों अमेरिका और चीन के साथ दिग्गज टेक्नालॉजी कंपनियों के बड़े दांव लगे हैं। एआई से मानवता के अस्तित्व को खतरों की चेतावनियों के बावजूद कोई पक्ष पीछे नहीं हटना चाहता है। अमेरिका, चीन को अपना प्रभाव कम होने और पिछड़ने की आशंका है तो टेक कंपनियों की नजर अरबों रुपए के निवेश और मुनाफे पर है। इस रस्साकशी ने उम्मीद जगाई है कि देर–सबेर एआई पर काबू पा लिया जाएगा। एआई या कृत्रिम बुद्धि के विध्वंसक नतीजों के बारे में एआई के गॉडफॉदर माने जाने वाले वैज्ञानिक ही आगाह कर रहे हैं। यहां कुछ नामी साइंटिस्ट का जिक्र काफी होगा। मांट्रियल यूनिवर्सिटी, कनाडा में कंप्यूटर साइंस के प्रोफेसर जोशुआ बेंजिओ 2023 से एआई के कारण मानव अस्तित्व को खतरे और उस पर मानवीय नियंत्रण खत्म होने के बारे में कह रहे हैं। बेंजिओ ने एआई के खिलाफ अभियान छेड़ने और सुरक्षा का सिस्टम बनाने के लिए लॉ जीरो संगठन बनाया है। लॉ जीरो बेकाबू एआई एजेंट को बेअसर करने के सेफ्टी सिस्टम बना रहा है। संगठन को जर्मनी और कनाडा की सरकारों के साथ माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया से मदद मिली है। बेंजिओ के साथ 2018 में एलन ट्यूरिंग पुरस्कार हासिल करने वाले ज्याफ्रे हिंटन ने 2023 में गूगल से इस्तीफा दे दिया। उनका कहना था कि वे एआई के जोखिमों पर अधिक स्वतंत्रता से बोलने के लिए काम छोड़ रहे हैं। हिंटन कहते हैं कि एआई मानवों से अधिक स्मार्ट हो जाएगी और सत्ता पर कब्जा करने जैसे लक्ष्य बना लेगी। उसे बंद करना या नियंत्रण में रखना असंभव हो जाएगा। गूगल के पूर्व शोधकर्ता का कहना है कि एआई का बुरे लोग दुरुपयोग करेंगे,ऑटो साइबर हमले होंगे और जैविक वायरस तैयार किए जाएंगे हैं। वे इस टेक्नालॉजी के कारण बेरोजगारी बढ़ने और चुनावों में धांधली का अंदेशा भी जताते हैं। बेंजिओ, हिंटन के साथ एआई लैब्स में काम करने वाले कई शोधकर्ता लगातार चिंता जता रहे हैं। वे कहते हैं कि एआई इस दशक के अंत तक मानवों का अस्तित्व खत्म कर देगी। इनकी चेतावनियों ने वैसा असर नहीं किया है जैसा कि 8 सितंबर को एआई लैब एंथ्रोपिक से जेकब कॉक्सन के इस्तीफे का हुआ है। कॉक्सन ने तीन साल तक ओपनएआई और एंथ्रोपिक में एआई के शक्तिशाली मॉडलों को प्रशिक्षित किया है। उनके इस्तीफे की पोस्ट को इंटरनेट पर 24 घंटे से कम समय से नौ करोड़ से अधिक व्यू मिले थे। उन्होंने सबसे बड़ा खतरा बताया यह है कि यदि हमने एआई की वर्तमान गति को धीमा नहीं किया तो निकट भविष्य में हम सब मर जाएंगे। वे कहते हैं, एआई कंपनियों में काम कर रहे सभी लोग ऐसा ही सोचते हैं। कॉक्सन की चेतावनी से हड़कंप मच गया है। 12 सितंबर को एंथ्रोपिक के प्रमुख डैरियो अमोडेई ने एक लेख में सुझाव दिया है कि एआई पर सामूहिक रोक और संयम की जरूरत है। प्रमुख एआई लैब्स को एआई की क्षमता बेहतर बनाने की गति धीमी करना चाहिए। ओपनएआई के सैम आल्टमैन, दुनिया के सबसे अमीर शख्स और एक्सएआई के मालिक एलन मस्क का भी कहना है कि एआई मॉडलों की रफ्तार धीमी होनी चाहिए। माइक्रोसॉफ्ट के सत्या नडेला कहते हैं, एआई के बड़े मॉडलों को समाज की मदद और मानवीय नियंत्रण के सिद्धांतों से निर्देशित होना चाहिए। लेकिन इस वक्त सबसे कीमती टेक कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग कहते हैं, एआई को नियंत्रित करने के लिए किसी नए कानून या नियमों की जरूरत नहीं है। उनका कहना है, नियंत्रण का काम बाजार की ताकतें करेंगी। हुआंग जोर देते हैं, तेजी से आगे बढ़ें लेकिन अगर किसी बिंदु पर लगता है कि कंपनी या उसके प्रोडक्ट काबू से बाहर जा रहे हैं तो ठहर जाइए और सुधार कीजिए। कुछ टेक्नालॉजी कंपनियां एआई की गति को धीमी करने की बात तो करती हैं लेकिन वे निर्णायक कदम नहीं उठा रही हैं। दरअसल, उनका मुनाफा और बाजार मूल्य एआई पर बहुत हद तक निर्भर है। अलग–अलग कंपनियों ने सॉफ्टवेयर, सोशल मीडिया और एआई मॉडलों के दम पर अरबों रुपए कमाए हैं। इनका बाजार मूल्य कई देशों के जीडीपी से आगे है। इस समय एनवीडिया का बाजार मूल्य 5.35 लाख करोड़ रुपए, एपल 450 लाख करोड़ रुपए, गूगल 393 लाख करोड़ रुपए, माइक्रोसॉफ्ट 355 लाख करोड़ रुपए, अमेजन 266 लाख करोड़ रुपए और मेटा का मूल्य 158 लाख करोड़ रुपए है। बड़ी टेक कंपनियां एआई पर काफी पैसा लगा रही हैं। अमेजन, गूगल, फेसबुक की मेटा और माइक्रोसॉफ्ट ने 2024–25 और 2025–26 में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और पूंजी खर्च के बतौर 95 लाख करोड़ रुपए लगाए हैं। ओपनएआई और एंथ्रोपिक में माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन और जापान के सॉफ्ट बैंक ने निवेश किया है। लिहाजा,उनके लिए यह काम समेटना या धीमा करना मुश्किल नहीं है लेकिन कारोबार की होड़ उनके कदम रोकती है। निवेशक भी खुले हाथ से पैसा लगा रहे हैं। 2020 में निवेशकों ने रोबोटिक्स, स्पेस, क्वांटम कंप्यूटिंग में 2.1 लाख करोड़ रुपए लगाए थे। 2026 में यह आंकड़ा बढ़कर 8.6 लाख करोड़ रुपए हो गया है। ये सभी तकनीक एआई से जुड़ी हैं। एआई की होड़ देशों और कंपनियों के बीच टेक्नालॉजी के कारण बढ़ती असमानता पर भी रोशनी डालती है। एआई में भारत सहित कई देशों की कंपनियां निवेश कर रही हैं। लेकिन, वे इनोवेशन में पीछे हैं। केवल फ्रांस की मिस्ट्रल अमेरिकी, चीनी कंपनियों का थोड़ा बहुत मुकाबला कर सकती है। इसी तरह एआई में बड़ी कंपनियों को ज्यादा कामयाबी मिली है। ओपनएआई और एंथ्रोपिक का आकार छोटा है पर वे इनोवेशन में अव्वल हैं। चीन की अलीबाबा, डीपसीक और जेडएआई जैसी कंपनियां अमेरिकी कंपनियों के मुकाबले कम खर्च में एआई मॉडल बना रही हैं। एआई से साइंस, टेक्नालॉजी, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेती जैसे क्षेत्रों में असीमित संभावनाओं के साथ देशों की सामरिक ताकत भी जुड़ी है। इसलिए अमेरिका, चीन की सरकारें रोक लगाने के विचार का सख्त विरोध कर रही हैं। टेक्नालॉजी से मानव की तरक्की से कोई इन्कार नहीं करता है। लेकिन उसके दुरुपयोग की आशंकाओं को खारिज भी नहीं कर सकते हैं। एआई को किनारे रख दें और सोशल मीडिया के प्रभाव को देख लें तो स्थिति समझी जा सकती है। सोशल मीडिया की लत युवाओं, किशोरों के साथ सभी आयु वर्ग के लोगों को प्रभावित कर रही है। लेकिन, उस पर कारगर रोक किसी कंपनी ने नहीं लगाई है। कुछ सरकारों ने जरूर सोशल मीडिया पर पाबंदी लगाने की पहल की है। ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम आयु के लोगों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर कई तरह के नियंत्रण लगाए हैं। कुछ अन्य देश ऑस्ट्रेलिया के रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं। वहीं कंपनियों ने कोई कारगर कदम नहीं उठाए हैं। सोशल मीडिया के अनुभव को देखते हुए टेक कंपनियों से अपनी तरफ से एआई पर पूरी तरह रोक लगाने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। अलबत्ता, वे एआई मॉडलों की तेज रफ्तार को जरूर थाम सकती हैं। इतिहास के पन्नों को टटोलें तो हम पाते हैं कि कई बार मानवजाति को त्रासदियों और विनाश से बचाने के लिए असरदार पहल हुई है। 1975 में लगभग 150 वैज्ञानिकों ने कैलिफोर्निया, अमेरिका में मानव शरीर की मुख्य संरचना–डीएनए टेक्नालॉजी के नुकसानदेह परिणामों पर चर्चा की थी। उस वक्त आशंकाएं जताई गई थीं कि शरीर के किसी हिस्से से जेनेटिक मटीरियल डीएनए को निकालकर उससे दूसरे किस्म के अंग या जीव बनाए जा सकते हैं। इस पहलू पर रिसर्च को रोकने और जरूरी सुरक्षा उपाय करने के लिए निर्णायक कदम उठाए गए थे।

म्यांमार सैन्य शासन का सशस्त्र विद्रोहियों को राजनीतिक

–राजेश माहेश्वरी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 सितंबर को 76 बरस के हो गए। उन्हीं की बनाई परिपाटी के मुताबिक उन्हें सत्ता से हटकर भाजपा के मार्गदर्शक मंडल का हिस्सा बन कर रह जाना चाहिए था। लेकिन नरेन्द्र मोदी अपने लिए अलग नियम बनाते हैं और दूसरों के लिए अलग। जैसे प.एशिया के तनाव के कारण जो वैश्विक आर्थिक संकट आया, उसमें मोदी ने जनता से अपील की कि वे विदेश न जाएं, लेकिन उसके फौरन बाद खुद एक के बाद एक विदेश यात्राओं पर निकल गए। मोदी ने जनता से ये अपील भी की थी कि तेल का इस्तेमाल कम करें, इस के बाद भाजपा नेताओं ने कुछ दिनों तक अपने काफिले में वाहनों की संख्या कम करने और सार्वजनिक यातायात साधनों से सफर की नौटंकी भरे वीडियो बनवाए, लेकिन अब मोदी के जन्मदिन पर भाजपा और भाजपा सरकारें लाखों–करोड़ों दीए जलवा रही है। इससे भी जाहिर होता है कि मोदी की कथनी और करनी एक नहीं है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कुछ दिन पहले ही अपील की थी कि 17 सितंबर की शाम को सभी अपने–अपने घरों में दीए जलाएं, इसे उन्होंने आशीर्वाद का दीया करार दिया। पता नहीं नरेन्द्र मोदी की सत्ता को लेकर भाजपा कितना असुरक्षित महसूस करती है, जो तीन बार प्रधानमंत्री बनने के बावजूद उनके लिए भाजपा नेताओं को अपील करनी पड़ती है। चुनाव के वक्त ऐसे प्रचार करना, वोट मांगना, सत्ता के लिए आशीर्वाद मांगना फिर भी जायज लगता है, लेकिन जब देश में चारों तरफ जनता दुखों और तकलीफों में घिरी दिखाई दे, तब खुद को 140 करोड़ लोगों के परिवार का मुखिया कहने वाला व्यक्ति अपने जन्मदिन का जश्न जबरदस्ती मनवाए तो इससे बड़ी विडंबना किसी लोकतांत्रिक देश के लिए नहीं हो सकती। नरेन्द्र मोदी चाहते तो भाजपा अध्यक्ष की अपील पर विनम्रता से इंकार करते हुए कह सकते थे कि जब मेरे देशवासी तकलीफों में हैं, तो मैं अपने जन्मदिन का जश्न नहीं मनाना चाहता। इससे उनका कद वाकई बड़ा होता। लेकिन इसकी जगह नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया पर इस तरह के आशीर्वाद मिलने पर खुशी ही जताई है। जाहिर है उन्हें रत्ती भर भी जनता की परवाह नहीं है। 2008 में जब मुंबई में आतंकी हमला हुआ था, तो सोनिया गांधी ने 9 दिसंबर को अपना जन्मदिन न मनाने की अपील की थी, इसी तरह 2019 में उन्होंने महिलाओं पर बढ़ते अत्याचारों को देखते हुए जन्मदिन न मनाने का फैसला लिया था। इसी तरह 2022 में जब अग्निपथ योजना के खिलाफ देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन हो रहे थे तो 9 जून को जन्मदिन से पहले राहुल गांधी ने कहा था कि, श्मैं देश भर के सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं और अपने शुभचिंतकों से अपील करता हूं कि मेरे जन्मदिन के मौके पर किसी भी तरह का जश्न न मनाएं।श इससे पहले 2020 और 2021 में कोविड महामारी के दौरान भी राहुल ने ऐसी ही अपील की थी। लोकतांत्रिक देश में सार्वजनिक जीवन में नेताओं का व्यवहार ऐसा ही होना चाहिए। लेकिन नरेन्द्र मोदी में लोकतांत्रिक प्रवृत्ति रत्ती भर भी नजर नहीं आती। रोम जल रहा था और नीरो बांसुरी बजा रहा था, जैसी मिसालें भी इस व्यवहार के आगे हल्की नजर आती हैं। सोशल मीडिया पर नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन की भाजपा और सरकारी पहलों पर एक टिप्पणी पढ़ने मिली बधाई हो किम जोंग उन हुआ है। उत्तर कोरिया के तानाशाह का नाम इस तरह भारतीय संदर्भ में आना लोकतंत्र के लिए उभर चुके खतरनाक लक्षणों को दिखा रहा है। गनीमत है कि भारत में हम अब भी कम से कम यह लिख–बोल पा रहे हैं कि सरकार का कौन सा फैसला सही है, कौन सा गलत। विपक्ष की आवाज को अमीर मीडिया घरानों में भले जगह न दी जाए, लेकिन सोशल मीडिया पर विपक्ष को सुना जा रहा है। उ.कोरिया में यह सब मुमकिन नहीं है। पर भारत में भी कब तक मुमकिन रह पाएगा, इसकी चिंता बढ़ती जा रही है। इस समय बाढ़ की भारी तबाही से बिहार जूझ रहा है, कम से कम 50 लाख लोग बाढ़ के खतरों का सामना कर रहे हैं। कुछ समय पहले ही असम में ऐसी ही तबाही आई थी। इधर दिल्ली में सत्य निकेतन हादसे की भयावहता अब तक कायम है। मणिपुर में तो पिछले तीन सालों से अशांति बनी हुई है। हजारों लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं, क्योंकि उनके अपने घर जातीय हिंसा की भेंट चढ़ चुके हैं। लेकिन राहत शिविरों में भी लोग सुरक्षित नहीं हैं। 8 जिलों में कम से कम 640 मौतें दर्ज की गई हैं। जिस पर अब सुप्रीम कोर्ट ने भी मणिपुर सरकार से जवाब मांगा है। मध्यप्रदेश में बालाघाट में कम से कम 30 बैगा आदिवासी बच्चों की मौत दूषित पानी के कारण हो चुकी है। ये सारे हालिया मामले हैं, इनके अलावा नीट पेपर लीक के कारण 24 से ज्यादा बच्चों ने अपनी जान ले ली है, किसानों की आत्महत्या के मामले भी थम नहीं रहे हैं। महंगाई और बेरोजगारी की दोहरी मार से परिवारों की खुशियां चली गई हैं। ऐसे निराशाजनक माहौल में नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन किसी राष्ट्रीय पर्व की तरह भाजपा मना रही है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो शायद निकट भविष्य में 2 अक्टूबर की जगह 17 सितम्बर को राष्ट्रीय पर्व में शामिल कर लिया जाए तो आश्चर्य नहीं होगा। भाजपा जानती है कि जब तक सत्ता उसके हाथ में है, जब तक संवैधानिक संस्थाएं उसके सामने घुटनों पर बैठी रहेंगी, वह पूरी उच्छृंखलता दिखा सकती है। इस समय यही होते हम देख रहे हैं। दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र आदि तमाम भाजपा शासित राज्यों में वहां के मुख्यमंत्री सार्वजनिक रूप से नरेन्द्र मोदी जन्मदिवस के कार्यक्रमों का सरकारीकरण कर रहे हैं। तमाम राज्यों में स्कूल शिक्षकों से कहा गया है कि वे स्कूल के बच्चों के वीडियो बनाकर पोस्ट करें, जिनमें मोदी की तारीफ होना चाहिए। शिक्षा अधिकारी निगरानी कर रहे हैं कि स्कूलों में दीए जलाए जाएं। आंगनबाड़ियों, स्कूलों, सरकारी अस्पतालों सब जगह दीए जलाने के निर्देश दिए गए। लाखों–करोड़ों दीए जलाने के लिए धन की व्यवस्था कहां से हुई, क्या सरकारों ने किसी निविदा प्रक्रिया के जरिए तय किया कि कौन सी एजेंसी कहां से तेल, दीयों, बातियों समेत बाकी सामग्री खरीदेगी। दीए जलाने के अलावा कहीं यज्ञ कराए गए, कहीं बाइक यात्रा शुरु की गई। वाराणसी में ही कम से कम 5 सौ नयी मोटर साइकिलें खरीदी गई हैं ताकि वडनगर तक यात्रा निकाली जा सके। इसके लिए पेट्रोल का खर्च किसकी जेब से जाएगा, ऐसे तमाम सवाल अनुत्तरित हैं। यूपीए सरकार में जो सूचना का अधिकार जनता को दिया गया था, वो भी अब कारगर नहीं रहा है। मोदी ऐसा ही देश बनाकर उस पर राज करने का आशीर्वाद चाहते हैं।

अनन्या पांडे ने फिल्मफेयर से जुड़ी अपनी यादों, गर्ल गैंग और अपनी पसंदीदा निर्देशकों की सूची के बारे में बताया

अनन्या पांडे की जीवनशैली सेहत और मौज–मस्ती के बीच संतुलन बनाए रखने पर आधारित है। वह योग, व्यायाम और पौष्टिक घर के बने भोजन को कभी–कभार बर्गर, पिज्जा या कुकीज के साथ संतुलित करती हैं, जिससे यह साबित होता है कि संयम ही सफलता की कुंजी है। काम से फुर्सत में, आराम ही उनका स्टाइल मंत्र है, जबकि यात्रा और आउटडोर एडवेंचर उन्हें तरोताजा होने और नए अनुभवों को अपनाने में मदद करते हैं। अनन्या के लिए, रहस्य सरल हैरू सक्रिय रहें, अच्छा खाएं, अक्सर घूमने जाएं और जीवन की छोटी–छोटी खुशियों के लिए हमेशा जगह रखें। एक सहज और सरल साक्षात्कार के कुछ अंश। फिल्मफेयर रेड कार्पेट पर आपका पसंदीदा लुक कौन सा है? मुझे पिछले साल फिल्मफेयर ओटीटी अवार्ड्स में पहनी हुई एली साब की गोल्डन गाउन बहुत पसंद आई थी, जब मैंने कॉमेडी रोल में स्क्रीन अभिनेत्री का पुरस्कार जीता था। लेकिन फिल्मफेयर अवार्ड्स में पहनी मेरी पहली ड्रेस हमेशा मेरी पसंदीदा रहेगी। मैंने पीले रंग की फ्रिल्ड स्कर्ट के साथ ब्लैक ऑफ–शोल्डर टॉप पहना था और मुझे ऐसा लगा जैसे मैं किसी कपकेक में लिपटी हुई हूं। यह मेरी सबसे खास यादों में से एक है।आपको स्टाइलिश क्या बनाता है? जो कपड़े मैं पहन रही हूँ उनमें सहज महसूस करना और बहुत सारे ट्रेंड्स को फॉलो न करना। अगर आप अपने पहनावे से नाखुश हैं, तो यह आपके चेहरे पर दिख जाता है। मैं सबसे स्टाइलिश तब महसूस करती हूँ जब मैं अपनी मर्जी से चलती हूँ और बहुत से लोगों की राय नहीं सुनती। एक व्यस्त दिन के बाद आप आराम कैसे करती हैं? मैं अपने चार कुत्तों के साथ समय बिताती हूँ, किताब पढ़ती हूँ और पेड़ों से घिरी अपनी बालकनी में बैठती हूँ। प्रकृति से जुड़ने वाली कोई भी चीज मुझे सुकून देती है। मुझे अपने दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताना और फिल्में देखना भी अच्छा लगता है। अपने चेहरे पर गुलाब जल स्प्रे करें। यह त्वचा को तुरंत तरोताजा और हाइड्रेट कर देता है। अगर आपको मौका मिले, तो आप किसके साथ फोटोशूट करवाना चाहेंगी? अपने कुत्तों के साथ! उन सभी को एक ही दिशा में देखना थोड़ा मुश्किल होगा, लेकिन मुझे उनके साथ फोटोशूट करवाना अच्छा लगेगा। इस साल आप तीन चीजें क्या करना चाहती हैं? अपनी बहन के साथ ज़्यादा समय बिताना, जो न्यूयॉर्क में रहती है और जिससे मैं अक्सर नहीं मिल पाती। इस साल पढ़ने का अपना लक्ष्य पूरा करना। सभी 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करना, उम्मीद है। अनन्या पांडे आप अक्सर सोशल मीडिया पर सकारात्मकता फैलाने की बात करती हैं। ऑनलाइन नकारात्मकता से जूझ रहे लोगों को आप क्या सलाह देंगी? सच कहूँ तो, जब आप पीछे हटकर बड़ी तस्वीर को देखते हैं, तो आपको एहसास होता है कि यह सबके साथ होता है। इससे इसकी ताकत काफी कम हो जाती है। जब यह आपके ऊपर निर्देशित होता है तो यह डरावना और भारी लग सकता है, लेकिन फिर आप देखते हैं कि सफल और आत्मविश्वासी दिखने वाले लोग भी इसका सामना करते हैं। इससे आपको यह समझने में मदद मिलती है कि यह उतना डरावना नहीं है जितना पहली नजर में लगता है। आपकी जिंदगी में वे कौन सी लड़कियाँ हैं जिनके साथ आप श्भेनकोडश का रिश्ता साझा करती हैं? निश्चित रूप से मेरी सबसे पुरानी दोस्त, मुस्कान जाफरी और निहारिका लायरा दत्त। साथ ही सुहाना खान, शनाया कपूर, नव्या नवेली नंदा और मेरी स्कूल की दोस्त। मैं भाग्यशाली हूँ कि मेरी जिंदगी में कई बेहतरीन श्भेनष हैं। वे निर्देशक जिनके साथ आप काम करना चाहती हैं लेकिन अभी तक नहीं कर पाई हैं? करण जौहर, जोया अख्तर और संजय लीला भंसाली। ये तीनों निश्चित रूप से मेरी ड्रीम लिस्ट में हैं। आपके लिए फिल्मफेयर का क्या महत्व है? फिल्मफेयर के साथ काम करना हर बार एक अवास्तविक सा अनुभव होता है। मुझे बचपन की याद आ जाती है, जब मैगजीन घर आती थी या अवॉर्ड समारोह देखने का समय होता था, तब मैं बहुत उत्साहित हो जाती थी। फिल्मफेयर से जुड़ी किसी भी चीज का हिस्सा होना आज भी मेरे लिए किसी अविश्वसनीय पल जैसा लगता है।

एक्ट्रेस निक्की तंबोली और अरबाज पटेल दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक–दूसरे को अनफॉलो कर दिया। जिसके बाद उनके अलग होने की चर्चा शुरू हो गई। हालांकि, निक्की और अरबाज ने अभी तक अपने ब्रेकअप की पुष्टि नहीं की। इस बीच दोनों ने सोशल मीडिया पर धोखे और टूटे वादों से जुड़े पोस्ट भी शेयर किए। अरबाज ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर लिखा, "अपने पार्टनर को धोखा देना, फिर घर आकर उसकी आंखों में देखकर कहना कि मैं तुमसे प्यार करता हूं, बेइज्जती का बिल्कुल अलग स्तर है। मैंने जो कहा, वही कहा।" अरबाज ने पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया था। हालांकि, सोशल मीडिया यूजर्स ने कयास लगाए कि उनका इशारा निक्की की ओर था।वहीं, इसके पहले निक्की ने एक नोट शेयर किया था। जिसमें उन्होंने लिखा, "वह सच्चाई, जिसके बारे में लोग नहीं कहते। अफेयर्स इसलिए नहीं होते कि कोई नया इंसान बहुत ज्यादा आकर्षक है। वे इसलिए होते हैं, क्योंकि कोई पुराना इंसान अपने वादों का सम्मान करना बंद कर देता है।" बिग बॉस मराठी 5 में शुरू हुई थी नजदीकी निक्की और अरबाज की बॉन्डिंग ने पहली बार बिग बॉस मराठी 5 के दौरान लोगों का ध्यान खींचा था। शो में दोनों का रिश्ता चर्चा का एक प्रमुख विषय बना रहा। रियलिटी शो से बाहर आने के बाद भी दोनों ने अपना रिश्ता जारी रखा। बाद में दोनों ने रियलिटी शो 'द 50' में साथ हिस्सा लिया। इस शो के दौरान भी दोनों का रिश्ता मजबूत नजर आया।

हिंदी सिनेमा की जानी–मानी अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह आज 50 साल की हो चुकी हैं. बॉलीवुड में दो दशक पहले डेब्यू करने वाली चित्रांगदा ने पहले बतौर मॉडल काम किया था और वो अल्ताफ रजा के एक गाने से पॉपुलैरिटी हासिल करने में कामयाब हुई थी. वहीं अब 50 की उम्र पार करने के बाद चित्रांगदा सिंह सलमान खान जैसे स्टार के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं. राजस्थान में हुआ था जन्म चित्रांगदा सिंह का जन्म 30 अगस्त 1976 को राजस्थान के जोधपुर शहर में हुआ था. अपनी लाइफ के पांच दशक पूरे कर चुकीं चित्रांगदा ने दो दशक से ज्यादा के करियर में कई फिल्मों में काम किया है. बॉलीवुड में एंट्री लेने से पहले एक्ट्रेस ने मॉडल के रूप में काम करके लोप्रियता बटोरी थी. तुम तो ठहरे परदेसी से मिली पहचान, अब 50 की उम्र में सलमान की एक्ट्रेस बनीं चित्रांगदा सिंह श्तुम तो ठहरे परदेसीश से मिली थी पहचान जोधपुर में जन्मीं चित्रांगदा सिंह ने अपनी कॉलेज की पढ़ाई दिल्ली के लेडी श्रीराम कॉलेज से पूरी की थी. इसी दौरान उन्होंने मॉडलिंग की शुरुआत भी कर दी थी और कई विज्ञापनों के लिए भी काम किया. चित्रांगदा सिंह को मशहूर सिंगर अल्ताफ रजा के गाने तुम तो ठहरे परदेसी में देखा गया था. इस गाने से अल्ताफ के साथ–साथ चित्रांगदा को भी फेम मिल गया था. 2005 में किया था बॉलीवुड डेब्यू तुम तो ठहरे परदेसी के बाद चित्रांगदा को श्कोई लौटा दे वो प्यारे प्यारे दिन म्यूजिक वीडियो में भी देखा गया था. एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में बतौर एक्ट्रेस अपनी शुरुआत साल 2005 में आई फिल्म हजारों ख्वाहिशें ऐसी से किया था. उन्होंने देसी बॉयज, ये साली जिंदगी, इनकार, गैसलाइट, बाजार और सॉरी भाई जैसी फिल्मों भी काम किया। बॉलीवुड डेब्यू से पहले बसाया घर, हुआ तलाक चित्रांगदा सिंह की पर्सनल लाइफ की बात करें तो अभिनेत्री ने बॉलीवुड डेब्यू से पहले ही शादी कर ली थी. उन्होंने साल 2001 में गोल्फर ज्योति रंधावा से शादी की थी. हालांकि दोनों का साल 2014 में तलाक हो गया था. तुम तो ठहरे परदेसी से मिली पहचान, अब 50 की उम्र में सलमान की एक्ट्रेस बनीं चित्रांगदा सिंह अब सलमान खान संग मातृभूमिश में आएंगी नजर चित्रांगदा सिंह इन दिनों सलमान खान के साथ काम कर रही हैं. दोनों देशभक्ति पर बेस्ड फिल्म मातृभूमि वॉर रेस्ट इन पीस में नजर आएंगे।

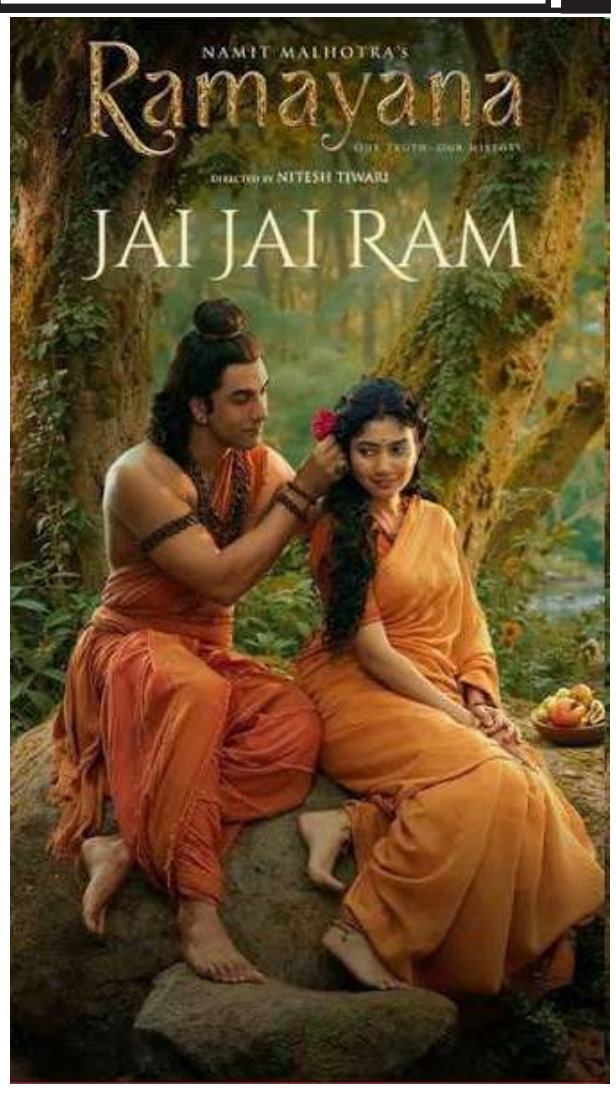

'रामायणम' के 'जय जय राम' के लिए अरिजीत सिंह ने दिए 200 से ज्यादा टेक, सामने आया दिलचस्प किस्सा

ामायणम' के मेकर्स ने गणेश चतुर्थी के मौके पर फिल्म का पहला गाना 'जय जय राम' रिलीज कर इसके संगीतमय सफर की शुरुआत कर दी है। अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल की आवाज से सजे इस भक्ति गीत को ए.आर. रहमान ने कंपोज किया है, जबकि इसके बोल डॉ. कुमार विश्वास ने लिखे हैं। गाने को लेकर अब रिकॉर्डिंग से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा सामने आया है। एक स्वतंत्र सूत्र के मुताबिक, अरिजीत सिंह इस गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान भावनाओं में इस कदर डूब गए थे कि उन्हें 200 से ज्यादा टेक देने पड़े। सूत्र के मुताबिक, अरिजीत रिकॉर्डिंग के दौरान गाने के हर टेक के भाव को पूरी तरह महसूस कर रहे थे। बताया गया कि वह इस भावना में इतने डूब जाते थे कि उससे बाहर नहीं निकलना चाहते थे। आखिरकार उन्होंने गाने की तकनीकी बारीकियों के बजाय उसकी भावना और भक्ति को प्राथमिकता दी और खुद को पूरी तरह गाने में समर्पित कर दिया। रिकॉर्डिंग से जुड़ा यह किस्सा बताता है कि 'जय जय राम' को सिर्फ एक गाने की तरह नहीं, बल्कि उसकी भावनात्मक गहराई के साथ पेश करने पर कितना ध्यान दिया गया। 'जय जय राम' को फिल्म के ट्रेलर को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद रिलीज किया गया है। मेकर्स के मुताबिक, 'रामायणम' के ट्रेलर को सभी प्लेटफॉर्म्स पर 1 बिलियन से ज्यादा डिजिटल व्यूज मिल चुके हैं। ऐसे में फिल्म से जुड़ी हर नई अपडेट को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है। 'जय जय राम' में अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल की आवाज के साथ ए.आर. रहमान का संगीत और डॉ. कुमार विश्वास के बोल इसे फिल्म के अहम म्यूजिकल ट्रैक के तौर पर पेश करते हैं। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायणम' को बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में नजर आएंगे। नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज ने क्छम्ळ और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के साथ मिलकर फिल्म का निर्माण किया है। भारत को छोड़कर दुनियाभर में सोनी पिक्चर्स फिल्म को रिलीज करेगी। 'रामायणम' का पार्ट वन दिवाली 2026 पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है।

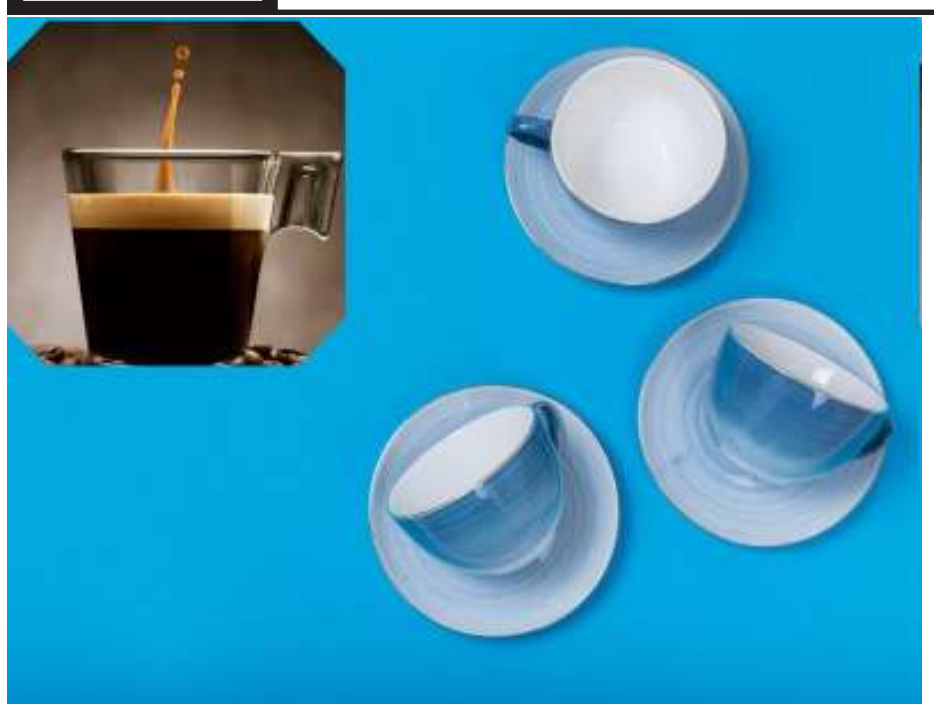

खरीदने से पहले जान लें चाय और कॉफी के कप में क्या अंतर होता है, मेहमानों पर जमेगा इंप्रेशन

❍ चाय और कॉफी पीने से पहले कभी सोचते हैं कि इसके कप में भी अंतर होता है। जी हां! चाय और कॉफी पीने के लिए बिल्कुल अलग डिजाइन की कप का इस्तेमाल होता है। जिसके बारे में हर किसी को जानना चाहिए।

कॉफी और चाय के कप में अंतर, सुनकर थोड़ा अजीब लग रहा होगा ना? क्योंकि कॉफी तो आप हमेशा बड़े से मग में पीते हैं। लेकिन आमतौर पर किसी प्रोफेशनल सिटिंग या फिर मेहमानों के बीच ऐसा नहीं होता। जब भी चाय या कॉफी परोसी जाती है तो ये किसी डीसेंट और आइडियल साइज के कप में परोसी जाती है। जिसमे ठीक अमाउंट में हॉट ड्रिंक आए। ना बहुत ज्यादा और ना ही बहुत कम। जिससे पीने वाले को बोरियत ना महसूस हो। लेकिन चाय या कॉफी सर्व करने से पहले ये जानना जरूरी है कि आखिर दोनों के कप में कौन सा अंतर होता है। जिससे आप चाय को कॉफी और कॉफी को चाय के कप में सर्व ना कर दें। तो जान लें चाय और कॉफी के बीच पाये जाने वाले इस अंतर को।

चाय और कॉफी के कप में होता है ये अंतर

चाय और कॉफी के कम में आमतौर पर डिजाइन में अंतर होता है। जिसे पहचानने के बाद सर्व करना आसान हो जाता है।

चाय का कप

चाय का कप हमेशा मुंह के पास से चौड़ा होता है और नीचे की तरफ से इसका आकार पतला हो जाता है। साथ ही इसका हैंडिल भी ऊपर से चौड़े और नीचे की तरफ से पतले डिजाइन के बने होते हैं। इसका कारण है टी कप को पकड़ने का सही एटिकेट। टी कप को पकड़ने के लिए हमेशा दो उंगलियों का सहारा लिया जाता है और कभी भी इसे हैंडल के अंदर नहीं फंसाते। बल्कि केवल हैंडल के ऊपर से ही पकड़ते हैं।

कॉफी का कप

कॉफी का मग बड़े साइज का और आमतौर पर सिंगल पीस में मिलता है। वहीं कॉफी का कप प्लेट के साथ और पूरे 6,12 के सेट में मिलता है। सबसे खास बात इसकी डिजाइन में अंतर होता है। कॉफी का कप बिल्कुल सीधा स्ट्रेट एक डिजाइन का ऊपर से नीचे होता है। साथ ये चाय के कप की तुलना में मुंह के पास से कम चौड़े होते हैं और गहरे होते हैं। वहीं कॉफी कप के हैंडल चाय के कप की तुलना में चौड़े और बड़े होते हैं। क्योंकि कॉफी कप को होल्ड करने के लिए तीन उंगलियों को फंसाकर यूज करते हैं।

दिन पर दिन बढ़ रहा लिवर कैंसर का खतरा, इन 7 फूड हैबिट्स से होगा बचाव

❍ नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर, लिवर सिरोसिस और लिवर कैंसर, लिवर से जुड़ी बीमारियां इन दिनों काफी तेजी से फैल रही हैं। ऐसे में लिवर फंक्शन को ठीक तरीके से चलाने के लिए इन फूड हैबिट्स को डाइट में जरूर शामिल कर लें।

लिवर कैंसर और लिवर डैमेज जैसी बीमारियां पहले बूढ़े लोगों में देखने को मिलती थी। लेकिन, समय के साथ अब ये समस्या कम उम्र के जवां लोगों में ज्यादा देखने को मिल रही है। स्टडी के डेटा में सामने आया है कि लाइफस्टाइल,मोटापा, एल्कोहल पीना, हेपेटाइटिस इंफेक्शन और यहां तक कि नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर डिसीज का खराब डाइट से सीधा संबंध हैं। ये सारी चीजें लिवर को डैमेज करने और लिवर कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी को न्योता देती हैं। ऐसे में पाचन में मदद करने वाला और टॉक्सिंस को शरीर से बाहर निकालने वाला अंग लिवर काफी मुसीबत में हैं। अगर आप अपने लिवर को कम उम्र में ही खराब होने से बचाना चाहते तो इन 7 फूड्स को डाइट में जरूर शामिल कर लें।

फाइबर रिच अनाज

रिफाइंड कार्ब्स को खाने की बजाय अपनी डाइट में फाइबर रिच अनाज को शामिल करें। ऐसे अनाज जिनमे छिलका हो या फिर मिलेट्स यानी मोटे अनाज। रिफाइं कार्ब्स जैसे ब्रेड, पास्ता, बेकरी आइटम, बिस्कुट वगैरह बॉडी में तेजी से शुगर में कन्वर्ट हो जाते हैं और लिवर में फैट डिपॉजिट करते हैं। वहीं जब आप डाइट में ओट्स, जौ, बाजरा, ब्राउन राइस, मिलेट्स को खाते हैं। तो ये ब्लड शुगर को रेगुलेट करती है। गट बैक्टीरिया को बढ़ाती है और शरीर में होने वाली इन्फ्लेमेशन को कम करती है। रिसर्च में पता चला है कि फाइबर रिच डाइट नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर डिसीज के रिस्क को कम करती है। जो कि लिवर कैंसर का सबसे बड़ा रिस्क फैक्टर है।

फूलगोभी और ब्रोकली प्रजाति की सब्जियां

फूलगोभी, ब्रोकली, पत्तागोभी, सरसों के पत्ते ये क्रूसिफेरस प्रजाति में आते हैं। इन सब्जियों में सल्फ्लोराफेन और इनडोल–3–कार्बिनॉल होता है। ये नेचुरल कंपाउंड डिटॉक्स एंजाइम को एक्टीवेट करते हैं। जिससे लिवर के हार्मफुल पदार्थों कार्सिनोजेन्स को न्यूट्रिलाइज करता है। इन सब्जियों को सप्ताह में तीन बार खाना लिवर की क्षमता को बढ़ा देता है।

कॉफी से होते हैं सरप्राइजिंग फायदे

थोड़ा अजीब लग सकता है लेकिन कई सारी रिसर्च में पता चला है कि कॉफी का मॉडरेट लेवल में कंज्शन लिवर कैंसर और लिवर सिरोसिस के रिस्क को कम करता है। कॉफी में क्लोरोजेनिक एसिड और डाइटरीपेंस होते हैं जो इन्फ्लेमेशन को कम करने में मदद करते हैं। दिन में दो कप कॉफी बिना चीनी, दूध और हैवी क्रीम के लेना फायदेमंद रहता है।

फलों में बेरीज और चेरी करें शामिल

फलों में ब्लूबेरी, ब्लैकबेरी, चेरी और स्ट्राबेरी पॉलिफेनाल्स और एन्थोसियानिन रिच होते हैं, जो पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट होते हैं और लिवर सेल्स को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाते हैं। ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस कैंसर डेवलपमेंट का सबसे बड़ा कारण है। रोजाना मुट्ठीभर फ्रोजन या ड्राइड बेरीज खाना लिवर के लिए प्रोटेक्टिव शील्ड की तरह काम करता है।

ग्रीन टी जरूर पिएं

शुगर वाली ड्रिंक और सोडा लिवर में फैट बनाता है। तो वहीं ग्रीन टी में मौजूद कैटेचिन एंटीऑक्सीडेंट है जो लिवर के फैट मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और इन्फ्लेमेशन को कम करता है। रोजाना ग्रीन पीने वालों में लिवर कैंसर का रिस्क कम रहता है। खाने के आधा घंटा बाद ग्रीन टी पीना लिवर के लिए हेल्दी ऑप्शन है।

ओमेगा 3 रिच फूड्स

ट्रांस फैट्स से भरे डीप फ्राई फूड्स साइलेंटली बॉडी में इन्फ्लेमेशन बढ़ाते हैं। इसलिए इन डीप फ्राई फूड्स की बजाय अखरोट, फ्लैक्स सीड्स और ऑयल फिश से रिप्लेस करें। ओमेगा 3 हार्मफुल ट्राईग्लिसराइड्स को कम करता है और इंसुलिन सेंसेटिविटी को बढ़ाता है। और लिवर के कैंसर के रिस्क को कम करता है।

लहसुन–प्याज के सल्फर कंपाउंड से फायदा

लहसुन और प्याज में सल्फर की मात्रा होती है जो लिवर के डिटॉक्स को बढ़ाती है। रोजाना लहसुन खाने से फैट नहीं जमता और लिवर में एंजाइम का बैलेंस बना रहता है।

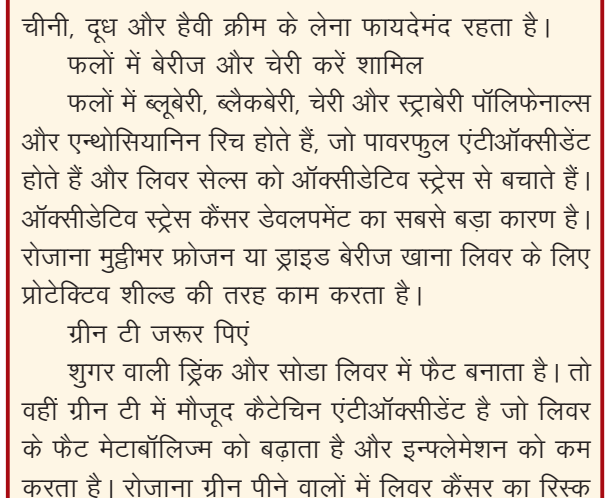

क्या आप जानते हैं हेल्दी फैट से भरपूर फ्रूट एवाकाडो को खाने का सही तरीका? हार्ट को रखेगा दुरुस्त

❍ पके हुए एवाकाडो का रिच, क्रीमी टेस्ट और खास तरह की महक हर किसी को पसंद नहीं आती। जिसकी वजह से इतना फायदेमंद होने के बाद भी लोग इसे नहीं खाते। लेकिन हार्ट हेल्थ के लिए डाइट में शामिल करना चाहते हैं तो जान लें खाने का सही तरीका।

एवाकाडो खाने के लिए डॉक्टर ने बोला है। लेकिन इसका अजीब सा स्वाद और महक को पसंद नहीं आ रहा। तो ये तो पक्का है कि आप एवाकाडो को गलत तरीके से खा रहे हैं। क्योंकि काफी कम लोग ही होते हैं जिन्हें पके हुए एवाकाडो का ओरिजनल टेस्ट पसंद आता है। इसे अगर फायदे के लिए भी खाना है तो एशियन टेस्ट में कन्वर्ट करके खाएं। वैसे तो इसे खाने के कई तरीके हैं और हर कोई अपने स्वाद के अनुसार ही खाता है। इसलिए यहां पर तीन तरीके शेयर कर रहे। जिसकी मदद से एवाकाडो का स्वाद भी मिलेगा और ये आपके बॉडी को फायदा भी पहुंचाएगा।

एवाकाडो खाने के फायदे

एवाकाडो एक फ्रूट है। जिसमे मोनो सैचुरेटेड फैट होता है जो कि शरीर के लिए हेल्दी है। हार्ट को हेल्दी रखने के साथ ही शरीर को न्यूट्रिशन देने में एवाकाडो हेल्प करता है। एक एवाकाडो में 150 कैलोरी, दो ग्राम प्रोटीन और लगभग 15 ग्राम मोनोसैचुरेटेड फैट होता है। साथ ही विटामिन बी, विटामिन के और विटामिन ई की मात्रा भरपूर होती है। जिससे ये मेटाबॉलिज्म बूस्ट करने के साथ हड्डियों को स्ट्रांग बनाने, हार्ट डिसीज को दूर रखने और एंटीऑक्सीडेंट्स बढ़ाने में मदद करता है।

एवाकॉडो खाने का तरीका

एवाकाडो को सैंडविच टॉपिंग बनाकर खाएं

पका हुआ एवाकाडो काफी क्रीमी होता है। इसलिए छिलके और बीज को हटाकर इसके पार्ट को मिक्स कर इसमे नींबू का रस, नमक, काली मिर्च और प्याज डालकर ब्रेड को टोस्ट कर लगाएं और फिर खाएं। ये हेल्दी और टेस्टी तरीका आपकी सेहत के लिए फायदेमंद है। आप चाहें तो इस टॉपिंग को पराठे या रोटी के ऊपर भी लगाकर खा सकते हैं।

गुआकामोल बनाकर खाएं

एवाकाडो से बनने वाली ये बिल्कुल ट्रेडिशनल डिश है जो मैक्सिको में बनती है। इसमे एवाकाडो के बीज और छिलके को हटाकर मैश करते हैं। इसमे सिलांट्रो कटी हुई, प्याज, टमाटर, नींबू का रस मिक्स करते हैं। साथ ही काली मिर्च, नमक और साथ ही ऑलिव ऑयल डाला जाता है। गुआकामोल को नाचोज, चिप्स के साथ डिप के तौर पर खाना सब पसंद करते हैं।

पास्ता की सॉस बनाएं

अगर आप इसे बच्चों को खिलाना चाहते हैं तो क्रीमी पास्ता सॉस में क्रीम की बजाय एवाकाडो को मिक्स करें। इसका क्रीमी रिच टेस्ट पास्ता ग्रेवी को रिच टेस्ट देगा और हेल्दी भी होगा।

कैंसर होने से पहले कई बार शरीर में दिखते हैं ऐसे लक्षण ना करें इग्नोर

❍ कैंसर के कुछ बेहद की सामान्य से लगने वाले लक्षण होते हैं। जिन्हें लोग आम बीमारियों से जोड़कर देखते हैं। लेकिन अगर ये समस्याएं बार–बार हो रही हैं तो फौरन डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी है।

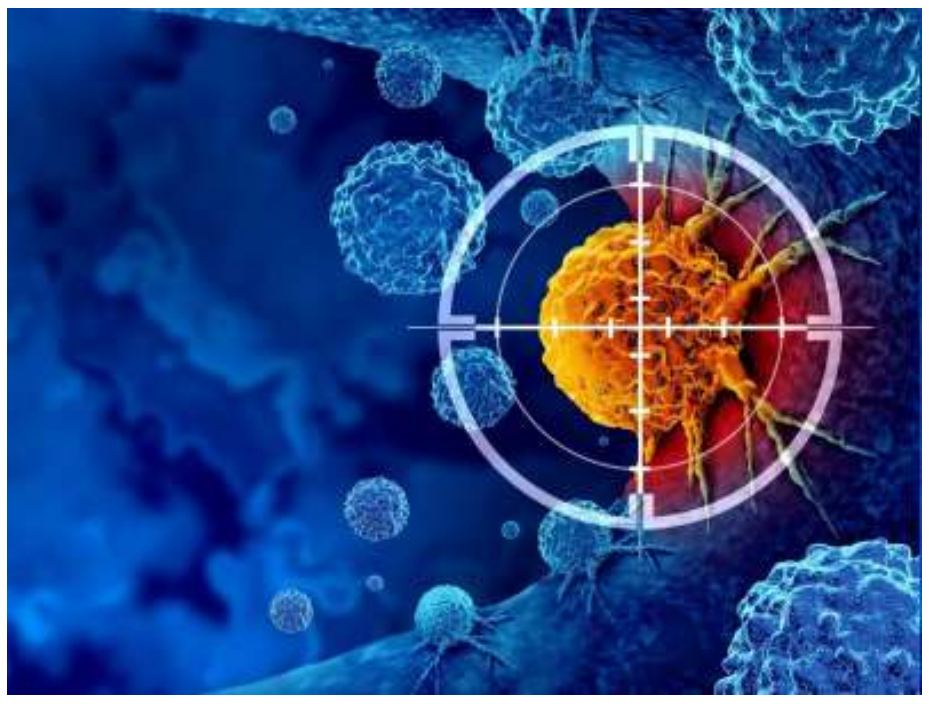

कैंसर के शुरुआती लक्षण बहुत कम और हल्के होते हैं। जिन्हें अक्सर लोग रोजमर्रा की हेल्थ से जुड़ी शिकायतें समझकर इग्नोर कर देते हैं। लेकिन कैंसर को समय पर डायग्नोस करना और इलाज बेहद जरूरी है। शरीर में अगर ये लक्षण दिखते हैं तो इन्हें हल्के में ना लें और फौरन इनकी जांच कराएं। शरीर के अलग–अलग हिस्सों में होने वाले ये लक्षण कैंसर की शुरुआत हो सकते हैं।

नाक से खून बहना

गर्मियों में नकसीर फूट जाना काफी सारे लोगों की समस्या है। ये समस्या कभी–कभार हो सकती है। लेकिन अगर नाक से खून अक्सर निकलने लगता है। तो ये ब्लड कैंसर से जुड़ा लक्षण हो सकता है। ल्यूकेमिया या लिमफोमा दोनों कैंसर ब्लड सेल्स से जुड़े होते हैं। वहीं बोन मैरो कैंसर, जिसमे बॉडी के अंदर खून को थक्का बनाने की क्षमता खत्म हो जाती है। उसकी वजह से भी ब्लीडिंग होती है। नाक से खून अक्सर निकलता है या ज्यादा मात्रा में आ जाता है तो डॉक्टर से कंसल्ट जरूर कर लें।

रात को पसीना आना

रात को पसीना आना नार्मल है। खासतौर पर गर्मियों में लेकिन अगर पसीने से पूरा भीग जाना, कपड़े गीले हो जाना और यहां तक कि पूरा बिस्तर भीग जाना नॉर्मल नही है। कुछ कैंसर जैसे लिम्फोमा में रात को पसीना आने के साथ ही वजन घटना या थकान जैसे लक्षण साथ दिखते हैं। तो अगर रात को बहुत ज्यादा पसीने से भीग जाते हैं तो डॉक्टर से जरूर कंसल्ट कर लें।

हड्डियों में दर्द

हड्डियों में दर्द होता है और ये बिना किसी ठोस वजह से होता ही रहता है। तो ये ऐसे कैंसर की ओर इशारा करता है जो हड्डी और बोनमैरो को प्रभावित करते हैं। जैसे मल्टीपल मायलोमा और मेटास्टेटिक कैंसर। इस तरह का दर्द बेहद शार्प और लगातार होता है। यहां तक कि आराम के बाद भी राहत नहीं मिलती। अगर किसी को हड्डियों में दर्द होता है और साथ ही कमजोरी लगती है, बिना किसी खास वजह के ही चोट लग जाती है। तो फौरन डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी होता है।

लिम्फनोड यानि लसिका तंत्र में सूजन

बॉडी में नर्व्स और टिश्यू का जाल बिछा होता है। इन्ही में होती है लिम्फ नोड्स। कई बार इनमे सूजन आ जाती है या फिर ये बढ़ जाती है। लेकिन लिम्फ नोड्स होने वाली ये समस्या कई बार इंफेक्शन और लिम्फोमा जैसे कैंसर का लक्षण होते ही। गर्दन, आर्मपिट और ग्रोइन यानी प्राइवेट एरिया के पास अगर सूजन लगातार बनी रहती है या बढ़ रही है तो एक्सपर्ट से सलाह जरूर लें।

स्किन पर लाल निशान

स्किन पर लाल रंग के निशान दिख रहे तो ये कई बार खून ब्रेक होने की वजह से होते हैं। कई बार ये निशान यूं ही हो जाते हैं। लेकिन अगर ये निशान हमेशा बने रहते हैं जो समय के साथ जा नहीं रहे तो ये ब्लड कैंसर के लक्षण हो सकते हैं।

ब्लोटिंग

अगर हमेशा पेट भरा महसूस होता है और ब्लोटिंग लगती है तो काफी कॉमन लक्षण है ओवरी के कैंसर का। खासतौर पर जब ब्लोटिंग के साथ एब्डोमिनल में सूजन दिख रहा है। तो ये कैंसर के लक्षण हो सकते हैं। कभी कभार खाने की वजह से ब्लोटिंग लगना इनडाइजेशन होता है। लेकिन लगातार ब्लोटेड फील करना मेडिकल हेल्फ का न्योता दे रहा है।

भीड़भाड़ से अभी भी दूर हैं इंडिया के ये 5 टूरिस्ट डेस्टिनेशन

❍ घूमने–फिरने का शौक लेकिन हर टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर दिख रही भीड़ से परेशान हो जाते हैं। तो, जान लें ऐसे ही 5 टूरिस्ट डेस्टिनेशन, जो भीड़ भाड़ से अभी भी काफी दूर रहते हैं। यहां पर आपको सुकून के साथ ही मनमोहने वाले नजारे भी मिलेंगे। जहां पर वेकेशन और एडवेंचर दोनों एंज्वॉय कर सकते हैं।

दुनियाभर में 27 सितंबर को वर्ल्ड टूरिज्म डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का एकमात्र उद्देश्य लोगों के बीच देश–दुनिया को देखने, उनकी संस्कृति को समझने और टूरिज्म के जरिए आपसी तालमेल है। हर देश और वहां बसे लोगों की अलग संस्कृति, विरासत, बोली–भाषा, खानपान और पहनावा होता है। उन सबको समझना और जानने का शौक है तो पर्यटन इस काम में मदद करता है। लोगों को एक दूसरे की दुनिया देखने के लिए प्रेरित करने के लिए ही टूरिज्म डे की शुरुआत की गई। भारत विविधताओं का देश है और यहां पर टूरिज्म का अच्छा खासा बिजनेस है। अपने देश में घूमने के साथ ही विदेश से भी लोग आते हैं। इंडिया के लोगों में पहाड़ और समुंदर देखने का काफी क्रेज है। और हर साल लाखों लोग शिमला–मनाली जैसे टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर जाते हैं। लेकिन अभी भी कुछ टूरिस्ट स्पॉट ऐसे हैं जो कम भीड़भाड़ वाले माने जाते हैं। लेकिन इनकी प्राकृतिक सुंदरता बेमिसाल है। तो अगर आप घूमने के शौकीन हैं तो इन 5 टूरिस्ट स्पॉट के बारे में जरूर जान लें। जहां पर एक बार सैर करने के बाद पता चलेगा ये जगहें किसी जन्नत से कम नहीं।

चकराता

पहाड़ों की सैर करना पसंद है तो चकराता जरूर जाएं। देहरादून से 89 किमी की दूरी है। जो ढाई से तीन घंटे में पूरी की जा सकती है। घने देवदार के जंगल और हरियाली के साथ ही यहां का टाइगर फाल्स फेमस है। तो अगर आप नेचर लवर हैं तो चकराता जैसी जगह को घूमने का चांस बिल्कुल ना मिस करें।

मौलिन्नोंग

अगर आपको घूमने का शौक है तो मेघालय राज्य में बसे एशिया के सबसे साफ गांव की सैर जरूर कर लें। मौलिन्नोंग को भगवान का बगीचा

भी बोला जाता है। यहां पर स्वच्छता गांव के हर नागरिक की जिम्मेदारी है। अगर किसी को सड़क पर कूड़ा दिख जाता है तो वो उसे खुद उठाकर डस्टबिन में डालता है। इस गांव की सैर करने के लिए बाई रोड आसानी से जा सकते हैं। क्योंकि ये गांव शिलांग और चेरापूंजी से बस से कनेक्टेड है। गुवाहाटी सबसे पास का रेलवे स्टेशन है जो करीब 172 किमी दूर है। जबकि शिलांग एयरपोर्ट 78 किमी दूर। रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट से आसानी से बस और टैक्सी इस गांव के लिए मिल जाती हैं।

संक्षिप्त

मारुति सुजुकी का बड़ा लक्ष्य, चालू वित्त वर्ष में बेचेगी 10 लाख हरित वाहन

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने चालू वित्त वर्ष में सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों को मिलाकर 10 लाख हरित वाहन बेचने का लक्ष्य रखा है। कंपनी को कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और सीएनजी वाहनों में स्वचालित ट्रांसमिशन की शुरुआत से इस लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलने की उम्मीद है। हरित वाहन ऐसे पर्यावरण–अनुकूल वाहन हैं जो पारंपरिक पेट्रोल या डीजल की तुलना में बहुत कम या शून्य प्रदूषण फैलाते हैं। कार बाजार की अग्रणी कंपनी ने अपने 'ऑटो ग्रीन मिशन' के तहत शुक्रवार को अपने लोकप्रिय मॉडल स्विफ्ट, डिजायर और बलेनो के स्वचालित एस–सीएनजी संस्करण पेश किए। कंपनी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने बताया कि सीएनजी श्रेणी में करीब 70 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी रखने वाली एमएसआईएल को पहले इस वित्त वर्ष में आठ से नौ लाख हरित वाहन बेचने की उम्मीद थी। हालांकि, नए स्वचालित ट्रांसमिशन वाले मॉडल पेश किए जाने के बाद कंपनी ने बिक्री का अनुमान बढ़ाकर 10 लाख इकाई के करीब कर दिया है। उन्होंने कहा कि सीएनजी मॉडल पहले पेट्रोल–स्वचालित वाहनों से प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाते थे क्योंकि उनमें स्वचालित ट्रांसमिशन का विकल्प नहीं था। बनर्जी ने कहा कि स्विफ्ट, डिजायर और बलेनो के नए स्वचालित एस–सीएनजी मॉडल ऐसे नयी पीढ़ी के ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेश किए गए हैं जो समझौता नहीं करना चाहते। ये ग्राहक सीएनजी के कम परिचालन खर्च का लाभ चाहते हैं, लेकिन स्वचालित वाहन की सुविधा छोड़ना नहीं चाहते। उन्होंने यहां संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा, ''इससे सीएनजी का बाजार उस ग्राहक वर्ग तक पहुंचेगा, जिसे पहले संबोधित नहीं किया गया था।'' यह पूछे जाने पर कि क्या 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास चल रही कच्चे तेल की ऊंची कीमतें हरित वाहनों को अपनाने को बढ़ावा देंगी, बनर्जी ने कहा, ''हां, इसमें कोई संदेह नहीं है। हमारा लक्ष्य वित्त वर्ष 2026–27 में करीब 10 लाख वाहनों की बिक्री का है।''

सेमीकॉन 2.0 से देश में तैयार होंगी 200 चिप डिजाइन कंपनियां

केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि सरकार को 1.27 लाख करोड़ रुपये की सेमीकंडक्टर योजना सेमीकॉन 2.0 के तहत लगभग 200 चिप डिजाइन कंपनियों के सामने आने की उम्मीद है। एक संवाद सत्र के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन 200 चिप कंपनियों का उभरना देश के लिए एक बड़ा बदलाव साबित होगा। वैष्णव ने कहा, आईटी उद्योग और वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) में स्थापित देश की डिजाइन क्षमता अब सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भी बढ़ रही है। हमारा अनुमान है कि सेमीकॉन 2.0 के तहत कम से कम 200 चिप डिजाइन कंपनियां उभरेंगी। उन्होंने बताया कि आईएसएम 1.0 में चिप–डिजाइन स्टार्टअप के लिए सहायता के पहले चरण का ध्यान इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए) टूल्स की उच्च लागत को कम करने पर केंद्रित था। इस पहल के माध्यम से 105 से अधिक चिप डिजाइन स्टार्टअप को अत्याधुनिक ईडीए टूल्स तक पहुंच मिली, जबकि 20 स्टार्टअप को उद्यम पूंजी वित्तपोषण मिला। वैष्णव ने कहा कि इस क्षेत्र की प्रगति ने इस कार्यक्रम के विस्तार को प्रोत्साहित किया है और बड़ी कंपनियों तथा वैश्विक स्तर पर काम कर रहे भारतीय मूल के इंजीनियरों की भागीदारी बढ़ाई है। मंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण परिवेश ने सटीक विनिर्माण क्षमताओं को विकसित करने में मदद की है, जो अब इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल विनिर्माण, एयरोस्पेस, विमानन, रक्षा और सेमीकंडक्टर सहित कई क्षेत्रों को सहयोग दे रहे हैं। उन्होंने कहा, अगला ध्यान विनिर्माण संयंत्रों के भीतर ही व्यावहारिक अनुसंधान एवं विकास पर होना चाहिए, जिसका मकसद उत्पाद की गुणवत्ता और विनिर्माण प्रक्रियाओं में सुधार करना हो। एक अलग संवाददाता सम्मेलन में वैष्णव ने कहा कि सेमीकॉन इंडिया 2026 में आयोजित आधा दर्जन से अधिक देशों की गोलमेज बैठकें दर्शाती हैं कि उनकी सरकारें अपनी कंपनियों द्वारा भारत में काम बढ़ाने का समर्थन कर रही हैं।

एमपी के पेट्रोल पंपों पर 2000 रुपये से अधिक का UPI भुगतान रोकने की तैयारी, CAIT ने जताई चिंता

खुदरा व्यापारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने शुक्रवार को मध्यप्रदेश में पेट्रोल पंप डीलरों के 16 अक्टूबर से पेट्रोल और डीजल की खरीद के लिए 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान स्वीकार नहीं करने के फैसले को डिजिटल लेनदेन के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया। कैट की भोपाल जिला इकाई के अध्यक्ष और मध्य प्रदेश के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र शर्मा ने कहा कि इस फैसले से राज्य के करीब 4,700 पेट्रोल पंप प्रभावित होंगे। उन्होंने इसे यूपीआई के लेनदेन पर प्रस्तावित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाए जाने से जोड़ते हुए यह बात कही। शर्मा ने कहा कि यूपीआई को वर्षों से 'डिजिटल इंडिया', नकदरहित अर्थव्यवस्था और पारदर्शी कारोबार के प्रमुख आधार के रूप में बढ़ावा दिया जाता रहा है, लेकिन अब व्यापारी इसके तहत प्रस्तावित एमडीआर को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि 2,000 रुपये से अधिक के पात्र यूपीआई व्यापारिक लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर प्रस्तावित है। इसका मतलब है कि 10,000 रुपये के भुगतान पर 40 रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा। वहीं, ईंधन लेनदेन के मामले में 2,000 रुपये से अधिक के भुगतान पर पांच रुपये का एकमुश्त एमडीआर लगाए जाने की बात सामने आई है। मध्यप्रदेश पेट्रोल पंप डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा कि यदि सरकार एमडीआर वापस नहीं लेती है तो संगठन के सदस्यों ने 16 अक्टूबर से अपने पेट्रोल पंपों पर 2,000 रुपये से अधिक का यूपीआई भुगतान स्वीकार नहीं करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, ''नई व्यवस्था के तहत एक पेट्रोल पंप को हर महीने करीब 17,700 रुपये का नुकसान उठाना पड़ेगा। मध्यप्रदेश में 4,700 पेट्रोल पंप हैं। हमारा मार्जिन कम है, इसलिए हम इस अतिरिक्त खर्च को वहन नहीं कर सकते।'' शर्मा ने कहा कि व्यापारियों और उपभोक्ताओं को डिजिटल भुगतान अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के बाद उस पर शुल्क लगाया जाना डिजिटल अर्थव्यवस्था की रफ्तार को प्रभावित कर सकता है।

एडम ज़म्पा बने 200 ODI विकेट लेने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर, शेन वार्न के क्लब में शामिल

ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम ज़म्पा ज़िम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे मैच में 200 वनडे विकेट लेने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर बन गए हैं। इस मुकाबले में ट्रैविस हेड के 112 रनों के शतक और कूपर कोनॉली के 78 रनों की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम ज़म्पा 19 सितंबर को हरारे में ज़िम्बाब्वे के ख़िलाफ़ दूसरे वनडे मैच के दौरान 200 वनडे इंटरनेशनल विकेट लेने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर बन गए। उन्होंने इस उपलब्धि में दिवंगत शेन वॉर्न की बराबरी की; उन्होंने नौ ओवर में 62 रन देकर 2 विकेट लिए और इनोसेंट काइया और क्रेग इरविन को आउट किया। ऑस्ट्रेलिया ने 357 रनों के स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए सीरीज़ जीत हासिल की। ज़म्पा कुल मिलाकर 200 वनडे विकेट लेने वाले सातवें ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज़ हैं। ग्लेन मैक्ग्रा 249 मैचों में 380 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई वनडे विकेट–टेकरों की सूची में सबसे आगे हैं, जबकि शेन वॉर्न 193 वनडे मैचों में 291 विकेट के साथ सबसे सफल ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर हैं और कुल मिलाकर तीसरे स्थान पर हैं। ज़म्पा ने 123 वनडे मैचों में 29.48 की औसत से 201 विकेट लिए हैं, जिसमें बारह बार चार विकेट और एक बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल है। ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ट्रैविस हेड भी फॉर्म में लौट आए और उन्होंने 112 रन बनाकर अपना आठवां वनडे शतक लगाया। इस पारी के दौरान हेड ने 9,000 इंटरनेशनल रन पूरे किए; उन्होंने 201 मैचों और 243 पारियों में 40.31 की औसत और 87.08 के स्ट्राइक रेट से कुल 9,111 रन बनाए हैं। उनके करियर में 20 शतक और 43 अर्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वोच्च स्कोर 175 रन है। इस मैच में ज़िम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले फ़ील्डिंग करने का फ़ैसला किया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने 63 गेंदों पर 53 रन बनाए (जिसमें तीन चौके और तीन छक्के शामिल थे) और ट्रैविस हेड के साथ 130 रनों की साझेदारी की। हेड ने कूपर कोनॉली के साथ भी 60 रनों की साझेदारी की; कोनॉली ने 69 गेंदों पर 78 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और तीन छक्के शामिल थे। ओलिवर पीक ने 18 गेंदों पर नाबाद 41 रनों की तेज़ पारी खेली, जिसमें दो चौके और तीन छक्के शामिल थे, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट पर 356 रन बनाए। ज़िम्बाब्वे के लिए ब्रैड इवांस सबसे सफल गेंदबाज़ रहे, जिन्होंने 56 रन देकर 3 विकेट लिए।

जोस बटलर ने रचा इतिहास, टी20 क्रिकेट में 15000 रन बनाने वाले बने दुनिया के पहले बल्लेबाज

इंग्लैंड के जोस बटलर टी20 क्रिकेट में 15,000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे ज20ए मैच में उन्होंने कीरोन पोलार्ड का रिकॉर्ड तोड़ा। इस मुकाबले में श्रीलंका को 6 विकेट से हराकर इंग्लैंड ने तीन मैचों की ज20 सीरीज में 2–0 की अजेय बढ़त बना ली।

इंग्लैंड के विकेटकीपर–बल्लेबाज़ जोस बटलर, कार्डिफ़ के सोफिया गार्डन्स में श्रीलंका के ख़िलाफ़ इंग्लैंड के दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच के दौरान टी20 क्रिकेट में 15,000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 18 सितंबर को इंग्लैंड की पारी के पांचवें ओवर में एशान मलिंगा की गेंद पर एक रन लेकर यह उपलब्धि हासिल की और ज20 क्रिकेट में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के तौर पर वेस्टइंडीज़ के दिग्गज कीरोन पोलार्ड को पीछे छोड़ दिया। बटलर ने 528 मैचों में 35.46 की औसत और 147.46 के स्ट्राइक रेट से 15,000 रन बनाए हैं। उनके नाम नौ शतक और 107 अर्धशतक दर्ज हैं। उन्होंने कई टीमों और टूर्नामेंट्स में हिस्सा लिया है, जिनमें इंग्लैंड, लंकाशायर, मैनचेस्टर ओरिजिनल्स, मैनचेस्टर सुपर जायंट्स, गुजरात टाइटंस, समरसेट, पार्ल रॉयल्स, मुंबई इंडियंस, सिडनी थंडर, कोमिला विक्टोरियंस, डरबन सुपर जायंट्स, मेलबर्न रेनेगेड्स और इंग्लैंड लायंस शामिल हैं। उन्होंने कीरोन पोलार्ड को पीछे छोड़ दिया, जिनके नाम 754 मैचों में 31.71 की औसत से 14,999 रन हैं। इस मैच में इंग्लैंड ने श्रीलंका को छह विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज़ में 2–0 की अजेय बढ़त बना ली। श्रीलंका को 20 ओवरों में नौ विकेट पर 145 रन पर रोकने के बाद, इंग्लैंड ने 12.1 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया और चार विकेट पर 146 रन बनाए। इस जीत के साथ ज20 इंटरनेशनल में श्रीलंका के खिलाफ इंग्लैंड की लगातार जीत का सिलसिला 14 मैचों तक पहुंच गया। तीन विकेट लेने

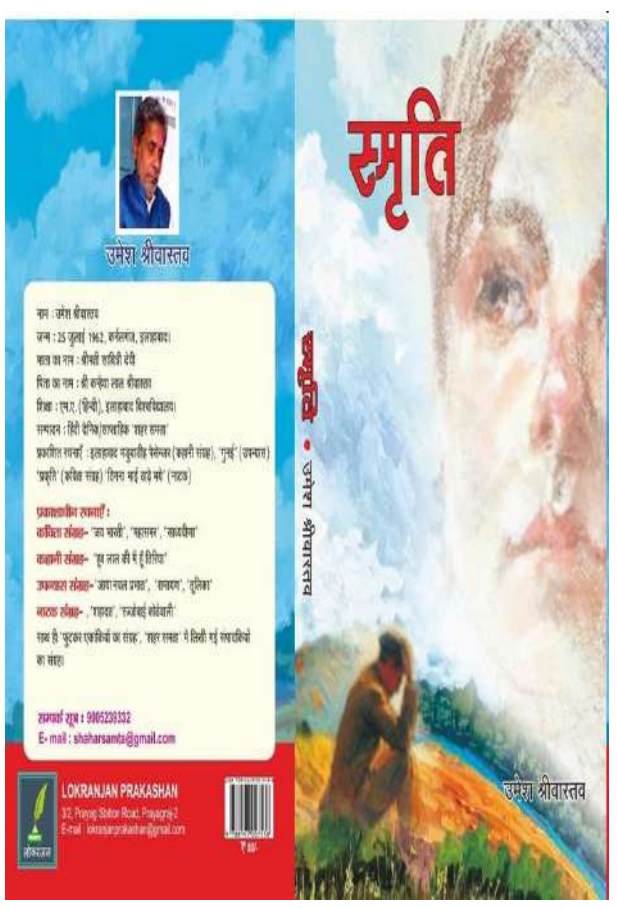

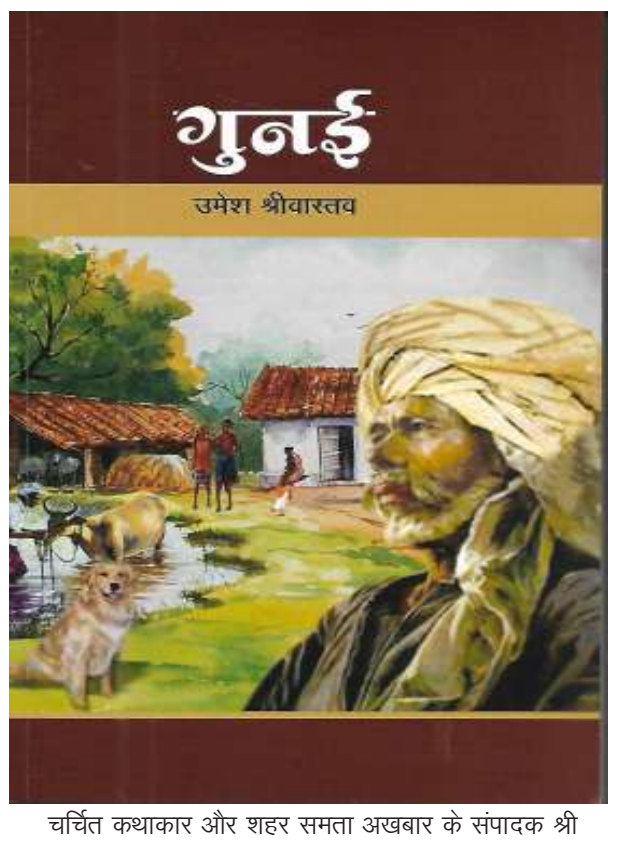

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

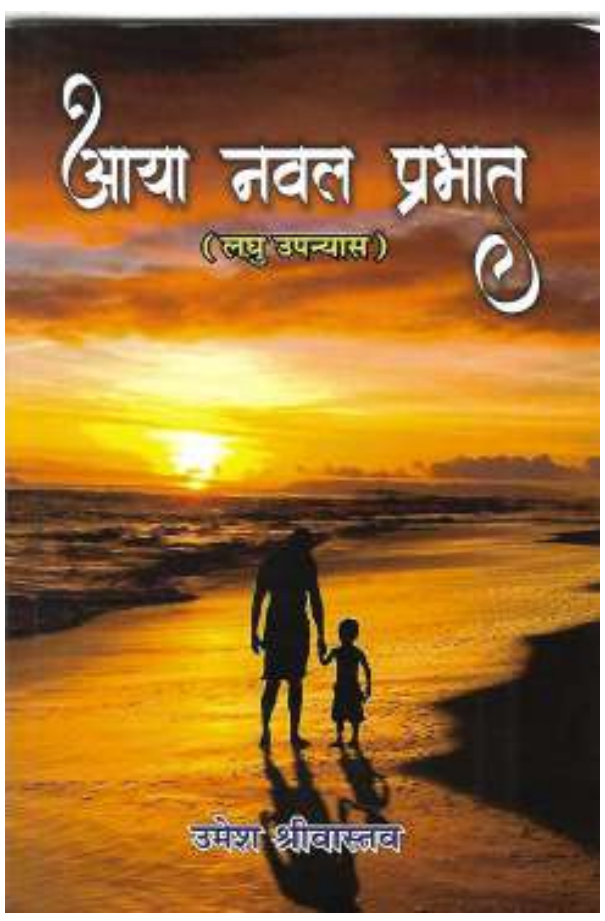

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

खुदा की नमाज के दौरान मस्जिद में लोगों के उड़े चिथड़े... आत्मघाती धमाका, 21 लोगों की मौत, खून और चीखों से थर्राया कोहाट

उत्तर–पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का कोहाट जिला शुक्रवार को एक ऐसे मंजर का गवाह बना, जिसे सोचकर ही रूह कांप उठती है। जुमे की मुकद्दस नमाज का वक्त था, पुरानी पुलिस लाइन स्थित मस्जिद में पुलिसकर्मी और स्थानीय नागरिक खुदा की इबादत में सिर झुकाए बैठे थे। तभी अचानक एक जोरदार धमाके से पूरी जमीन हिल गई। धमाका इतना भयावह था कि पल भर में इबादतगाह का शांत माहौल चीखों, खून और बिखरी लाशों के खौफनाक ढेर में तब्दील हो गया। इस कायराना आतंकी हमले में 15 पुलिसकर्मियों और एक मुख्य चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. इजराइल खान ओरकजई समेत कम से कम 21 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 100 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हैं। यह धमाका उत्तर–पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पेशावर से लगभग 60 किलोमीटर दक्षिण–पश्चिम में कोहाट में पुरानी पुलिस लाइन के पास स्थित मस्जिद में हुआ। कोहाट अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक

डॉ. ताहिर शाह ने बताया कि विस्फोट में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 15 पुलिसकर्मी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि घायलों में 73 पुलिसकर्मी और 30 आम नागरिक हैं। जियो न्यूज के अनुसार, मारे गए लोगों में लियाकत मेमोरियल अस्पताल के मुख्य जिला विशेषज्ञ डॉ. इजराइल खान ओरकजई भी शामिल हैं। हमले की जिम्मेदारी एक कम चर्चित आतंकी संगठन 'इत्तेहाद–उल–मुजाहिदीन पाकिस्तान' ने ली है। यह संगठन हाफिज गुल बहादुर समूह, हरकत इंकलाब–ए–इस्लामी पाकिस्तान और लश्कर–ए–इस्लाम का गठबंधन है, जिसका गठन अप्रैल 2025 में हुआ था। बचाव अधिकारियों ने बताया कि मारे गए और घायल हुए ज्यादातर लोग मस्जिद में जुमे की नमाज अदा कर रहे पुलिसकर्मी थे। घटनास्थल से सामने आए वीडियो में मस्जिद के अंदर नमाजियों के शव पड़े दिखाई दिए। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने बताया कि विस्फोटकों से लदे एक वाहन ने पुरानी पुलिस लाइन के गेट में टक्कर मार दी, जिससे विस्फोट हुआ, और इसके बाद हथियारबंद आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी हुई। हमीद ने कहा, वाहन गेट से टकराया और फिर उसमें विस्फोट हो गया। इसके बाद गोलीबारी भी हुई। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान विशेष शाखा की इमारत में एक और आत्मघाती विस्फोट हुआ। यह विस्फोट जुमे की नमाज के दौरान हुआ, जिससे मस्जिद के बाहर गड्ढा हो गया और इमारत का बाहरी हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। एक दीवार भी ढह गई। पेशावर स्थित केंद्रीय पुलिस कार्यालय के अनुसार, सात हथियारबंद आतंकवादी पुलिस लाइन में घुस गए, जहां पुलिस और आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) के जवानों के साथ उनकी मुठभेड़ हुई। अधिकारी ने बताया कि अब तक छह आतंकवादी मारे जा चुके हैं, जिनमें आत्मघाती हमलावर और स्नाइपर शामिल हैं। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों और पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है। शाह ने बताया कि 13 घायलों को लियाकत मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि 90 अन्य को जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया, जहां आपात स्थिति घोषित कर दी गई। खैबर पख्तूनख्वा के रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता बिलाल अहमद फैजी ने बताया कि सूचना मिलने के तुरंत बाद बचाव दल घटनास्थल पर पहुंच गए और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। पुलिस ने बताया कि कोहाट–हंगू मार्ग को सभी तरह के यातायात के लिए बंद कर दिया गया है और पुलिस लाइन के पास अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। बचाव अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट में आसपास की इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। विस्फोट के बाद प्रांतीय पुलिस प्रमुख हमीद ने जिले के क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी से रिपोर्ट मांगी। उन्होंने अधिकारियों को घायलों को समय पर बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, खैबर पख्तूनख्वा पुलिस आतंकवाद के खिलाफ लोहे की दीवार की तरह खड़ी है और इस तरह के कायराना हमले हमारे संकल्प को कमजोर नहीं कर सकते। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घटना की निंदा की तथा कहा कि विदेशी समर्थन प्राप्त आतंकवादियों का पूरी तरह खात्मा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है। सरकारी रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, शरीफ ने विस्फोट के संबंध में संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी और राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

ग्रीनलैंड में नहीं बन पाएंगे दुश्मन देशों के बेस, Denmark और यूएस के बीच बड़ा समझौता

डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को कहा कि डेनमार्क और ग्रीनलैंड द्वारा अमेरिका के साथ स्वायत्त डेनिश क्षेत्र में सुरक्षा मज़बूत करने के लिए किया जाने वाला समझौता नाटो और यूरोप के लिए अच्छा है। मेटे फ्रेडरिकसेन ने कहा कि यह समझौता आर्कटिक और उत्तरी अटलांटिक क्षेत्र में हमारी साझा सुरक्षा को मज़बूत करता है। उन्होंने यह भी कहा कि अगले हफ़्ते यूएन जनरल असेंबली के दौरान इस समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यह समझौता किंगडम (डेनमार्क) की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता, तथा ग्रीनलैंड के लोगों के आत्म–निर्णय के अधिकार को मान्यता देता है। फ्रेडरिकसेन के कार्यालय के एक बयान के अनुसार, हस्ताक्षर होने के बाद, इस समझौते को

लागू करने के लिए ज़रूरी संसदीय प्रक्रियाओं से गुज़रना होगा। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने डेनमार्क के साथ एक अनंत (हमेशा के लिए) समझौता किया है, जिससे ग्रीनलैंड की सुरक्षा का कंट्रोल अमेरिका के पास आ जाएगा और विदेशी दुश्मन वहां अपने बेस नहीं बना पाएंगे। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल नेटवर्क पर कहा मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने डेनमार्क और ग्रीनलैंड के साथ एक समझौता किया है, जिससे अमेरिका को ग्रीनलैंड की सुरक्षा और अन्य सभी ज़रूरतों पर स्थायी कंट्रोल मिल जाएगा। अब से, अमेरिका का कोई भी दुश्मन हमारी लिखित मंजूरी के बिना ग्रीनलैंड में कभी भी बेस नहीं बना पाएगा, वहां अपनी सेना नहीं रख पाएगा और न ही वहां कोई संवेदनशील निवेश कर पाएगा। ग्रीनलैंड सरकार के प्रमुख जेन्स–फ्रेडरिक निल्सन ने कहा, ष्यह खुशी की बात है कि हम एक ऐसे समझौते पर पहुंचने वाले हैं जो ग्रीनलैंड, डेनमार्क साम्राज्य, अमेरिका और पश्चिमी गठबंधन की सुरक्षा को पक्का और मजबूत करेगा। उन्होंने आगे कहा यह समझौता ग्रीनलैंड के हितों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग में हमारी भूमिका को मान्यता देता है। जनवरी 2025 में व्हाइट हाउस लौटने के बाद से, ट्रम्प ने बार–बार इस बात पर जोर दिया है कि रणनीतिक कारणों से वाशिंगटन को ग्रीनलैंड पर नियंत्रण की आवश्यकता है। इस बात ने NATO सहयोगी डेनमार्क को चिंतित कर दिया और गठबंधन की ओर से कड़ा विरोध भी हुआ।

पेट्रोल की कीमत 390 रुपए के पार, गधा लेकर पाकिस्तान की असेंबली में घुस गए इमरान खान की पार्टी के नेता

सिंध में इमरान खान की पार्टी ष्पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफश (च्ज्प्) के नेताओं ने पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ एक अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। वे सिंध असेंबली तक गधे–गाड़ी से पहुंचे ताकि आम लोगों पर महंगे ईंधन के बढ़ते बोझ को उजागर कर सकें। डॉन अखबार के मुताबिक, पीटीआई के सज्जाद अली ने इस विरोध प्रदर्शन की अगुवाई की। वे गधे–गाड़ी पर सवार थे और उनके हाथ में एक प्लेकार्ड था जिसमें पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी की आलोचना की गई थी। उनके साथ च्ज्प् के अन्य नेता

भी शामिल हुए, जिन्होंने प्लेकार्ड उठाए और केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए। विधायक प्रांतीय विधानसभा के पास के इलाकों से मुख्य प्रवेश द्वार तक गधे–गाड़ियों पर सवार होकर आए। इस विरोध प्रदर्शन के ज़रिए उन्होंने मांग की कि सरकार तुरंत पेट्रोल की कीमतों में की गई बढ़ोतरी को वापस ले। डॉन की एक रिपोर्ट में दिखाए गए वीडियो में सज्जाद अली ने कहा कि सत्ता पक्ष के मंत्रियों और विधायकों को भी इसी तरह विधानसभा आना चाहिए। उन्होंने ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी को लोगों पर गिराया गया पेट्रोल बम बताया।

विरोध–प्रदर्शन के दौरान अली ने कहा कि इस प्रदर्शन का मकसद ईंधन की बढ़ती कीमतों की वजह से आम नागरिकों को हो रही परेशानियों की ओर ध्यान दिलाना था। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा कि पेट्रोल इतना महंगा हो गया है कि वे अपनी गाड़ियों से असेंबली तक भी नहीं आ सकते। उन्होंने तर्क दिया कि लोग सरकारी नीतियों का असर झेल रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन पाकिस्तान में ईंधन की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के बीच हुआ। रिपोर्ट में बताया गया है कि मध्य पूर्व में फिर से शुरू हुए तनाव ने तेल की मुख्य सप्लाई लाइनों को बाधित कर दिया है, जिससे पिछले दो महीनों में ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं। गुरुवार को हुई ताज़ा बढ़ोतरी के बाद, पेट्रोल की कीमत 390.79 प्रति लीटर हो गई, जबकि हाई–स्पीड डीज़ल की कीमत 424.92 प्रति लीटर रही। रिपोर्ट के अनुसार, इन कीमतों में पेट्रोल पर 114 प्रति लीटर और डीज़ल पर 100 प्रति लीटर के सरकारी टैक्स और ड्यूटी शामिल थे। इस बढ़ोतरी की वजह से अन्य जगहों से भी आलोचना हो रही है।

पाकिस्तान आर्मी को भारी नुकसान, बलूचिस्तान में BLA के हमलों में 43 जवानों के मारे जाने का दावा

बलूच लिबरेशन आर्मी ने मंगलवार को 13 ऐसे ऑपरेशन्स की जानकारी दी, जिनके बारे में उनका दावा है कि ये 7 से 13 सितंबर के बीच पूरे बलूचिस्तान में चलाए गए थे। ठस। का दावा है कि इन ऑपरेशन्स में पाकिस्तानी सेना के 43 जवान और सरकार समर्थित कथित डेथ स्क्वाड के सदस्य मारे गए और कई अन्य घायल हुए। BLA के प्रवक्ता जियांद बलूच ने अपने साप्ताहिक बयान में कहा कि ये ऑपरेशन्स बासिमा, खारन, पंजगुर, चगाई, टुम्प, सुराब, किला अब्दुल्ला, लासबेला, जिवाणी और मशकेल में चलाए गए थे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

वे हम पर नज़र रखते हैं, हम उन पर, शी जिनपिंग के अमेरिकी दौरे से पहले बोले ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ़्ते वॉशिंगटन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाक़ात करने वाले हैं। ट्रंप का कहना है कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तनाव के बावजूद दोनों नेताओं के संबंध अच्छे हैं। शी के आने वाले दौरे के बारे में बात करते हुए ट्रंप ने कहा मुझे लगता है कि वह आ रहे हैं... यह अच्छी बात है कि हमारी आपस में बहुत अच्छी बनती है। हमारे संबंध अच्छे रहे हैं। वह अगले हफ़्ते यहाँ होंगे... हमारी मुलाक़ात बहुत अच्छी रहेगी। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच हालात बहुत अच्छे हैं और उन्होंने कहा कि इस दौरे के दौरान कई तरह के समझौते होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि चीन अमेरिका को भारी टैरिफ दे रहा है, जिससे उन्हें बहुत ज़्यादा नुकसान हो रहा है। चीन की जासूसी से जुड़ी चिंताओं पर ट्रंप ने कहा किसी ने कहा अरे, वे हमारी

जासूसी करते हैं। मैंने कहाहो सकता है कि वे ऐसा करते हों, लेकिन हम भी उनकी जासूसी करते हैं। यह इस साल ट्रंप और शी के बीच दूसरी बैठक होगी। दोनों नेता अपने रिश्तों में स्थिरता लाना चाहते हैं, जो व्यापार, ताइवान और ईरान को लेकर मतभेदों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के कारण दबाव में हैं। शी का यह दौरा एक दशक में व्हाइट हाउस का उनका पहला दौरा भी होगा। वे ऐसे समय में आ रहे हैं जब चीन की अर्थव्यवस्था लगातार दूसरे साल +1 ट्रिलियन का ट्रेड सरप्लस दर्ज करने की राह पर है। वहीं, ट्रंप ईरान युद्ध और कम अप्रूवल रेटिंग जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और ऐसे व्यापार समझौतों की तलाश में हैं जिन्हें वे बढ़ती कीमतों का सामना कर रहे अमेरिकियों के सामने फायदे के तौर पर पेश कर सकें। यह शिखर सम्मेलन 24 सितंबर को होना है और यह ट्रंप के मई में बीजिंग दौरे के बाद हो रहा है। टैरिफ़ पर बनी सहमति की समय–सीमा नवंबर में खत्म हो रही है। बाज़ार इस बात पर नज़र रखेंगे कि क्या दोनों देश उस टैरिफ़ समझौते को आगे बढ़ाते हैं या नहीं, जो पिछले साल अक्टूबर में दक्षिण कोरिया में ट्रंप और शी के बीच हुई बैठक के बाद घोषित किया गया था। यह समझौता 10 नवंबर को खत्म होने वाला है। इस समझौते से उस ट्रेड वॉर पर रोक लग गई जिसमें अमेरिका और चीन ने एक–दूसरे पर 100: से ज़्यादा टैरिफ लगाकर ग्लोबल सप्लाई चेन को खतरे में डाल दिया था। अमेरिका के ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जेमिसन ग्रीर ने इस महीने कहा कि दोनों देश ष्खेती और नॉन–टैरिफ बैरियर से जुड़ी कुछ घोषणाएंष करेंगे। ट्रेडर्स इस बात पर भी नज़र रखेंगे कि 30 अरब डॉलर के सामान पर आपसी टैरिफ कम करने के समझौते में कितनी प्रगति होती है। चीन इसके लिए सबसे आसानी से अमेरिकी कृषि उत्पादों के आयात पर लगने वाली ड्यूटी कम कर सकता है।

ऑस्ट्रेलिया में डाटा सेन्टर्स के विस्तार पर नए नियमों की तैयारी, 2027 तक आ सकता है राष्ट्रीय कानून

कैनबरा।(द कन्वरसेशन) ऑस्ट्रेलिया में डेटा सेंटर बहुत तेजी से स्थापित किए जा रहे हैं। गोदाम कंप्यूटर सर्वरों से भरे पड़े हैं। इन सर्वरों से लोगों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) टूल्स चलाए जाते हैं। डेटा सेंटरों को बड़ी मात्रा में बिजली, पानी और ज़मीन की आवश्यकता होती है। सही योजना और निगरानी के बिना, डेवलपर्स ऑस्ट्रेलिया की अर्थव्यवस्था, प्रकृति और समुदायों को दांव पर लगाकर अपनी जरूरतें पूरी करेंगे। बिना सोचे–समझे स्थापित किए गए डेटा सेंटर से बिजली की खपत बढ़ सकती है, पानी की आपूर्ति पर दबाव पड़ सकता है और नेट ज़ीरो के लक्ष्य को हासिल करने की गति धीमी हो सकती है। वहीं सही तरीके से स्थापित डेटा सेंटर इसके ठीक विपरीत काम कर सकते हैं, जिनमें बिजली ग्रिड को स्थिर करना, क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना शामिल है। यह सोचना लुभावना लग सकता है कि भविष्य की प्रौद्योगिकियां इन समस्याओं को गायब कर सकती हैंकृजैसे डेटा सेंटरों को पानी के अंदर या अंतरिक्ष में स्थापित करना। ये अंततः महत्वपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन फिलहाल इस मामले में छोटे पैमाने पर प्रयोग हुए हैं। ऑस्ट्रेलियाई सरकार वे नियम तैयार कर रही है जो एआई और डेटा सेंटरों को नियंत्रित करेंगे। ये नियम 2027 की शुरुआत में राष्ट्रीय कानून के रूप में पेश किए जा सकते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि डेटा सेंटरों का भविष्य कैसा दिखता है? और इसे हकीकत बनाने के लिए उन नियमों में क्या शामिल करने की आवश्यकता है? ऊर्जा एक महत्वपूर्ण संसाधन है संघीय सरकार चाहती है कि नए डेटा सेंटर अपनी बिजली की मांग को नए नवीकरणीय (रिन्यूएबल) ऊर्जा उत्पादन के साथ जोड़ें, जिसे सेंसिबल फार्मिंग अरेंजमेंट्स का समर्थन प्राप्त हो। सेंसिबल फार्मिंग अरेंजमेंट्स का अर्थ है नवीकरणीय आपूर्ति कम होने पर भरोसेमंद बैकअप पावर। अधिकांश राज्य और क्षेत्र इससे सहमत हैं। हालांकि, क्वींसलैंड और नॉर्दर्न टेरिटरी चाहते हैं कि डेटा सेंटरों को प्राथमिक आपूर्ति और बैकअप दोनों के लिए जीवाश्म ईंधन का उपयोग करने का लचीलापन मिले। लागत और जलवायु के दृष्टिकोण से, न तो संघीय और न ही राज्य/क्षेत्रीय सरकारों ने इसे पूरी तरह से सही पाया है। गैस और डीजल का उपयोग, चाहे वह प्राथमिक हो या बैकअप आपूर्ति के रूप में, ऑस्ट्रेलिया के जलवायु उद्देश्यों और लागत कम रखने के सिद्धांतों के अनुकूल नहीं है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने एच–1बी वीजा पर लगाया 1 लाख डॉलर का शुल्क एक साल और बढ़ाया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच–1बी वीजा के जरिये विदेशी कर्मचारियों को अमेरिका लाने वाले नियोक्ताओं पर लगाए गए एक लाख अमेरिकी डॉलर के शुल्क को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने यह जानकारी दी। ट्रंप ने

शुक्रवार को जारी राष्ट्रपति की घोषणा में कहा कि 2025 में एक लाख अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाने के फैसले के बाद बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों द्वारा एच–1बी वीजा के लिए पंजीकरण में 92 प्रतिशत की कमी आई है। ट्रंप ने कहा, ''2025 की घोषणा की अवधि बढ़ाने से अमेरिका के आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा जारी रहेगी, अमेरिकी कर्मचारियों और स्नातकों के लिए श्रम बाजार तक पहुंच बेहतर होगी तथा यह सुनिश्चित होगा कि नियोक्ता कार्यक्रम के मूल उद्देश्य के अनुरूप जरूरत पड़ने पर केवल अत्यधिक कुशल और जरूरी विदेशी कर्मचारियों की ही भर्ती करें।'' अमेरिका के एच–1बी वीजा कार्यक्रम का लाभ पाने वालों में भारतीय सबसे बड़ा समूह हैं। 2025 में एक लाख अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाने के फैसले को अदालत में चुनौती दी गई है और यह मामला दो अलग–अलग संघीय अदालतों में विचाराधीन है। शुल्क बढ़ाने संबंधी 2025 के इस आदेश की अवधि इस महीने समाप्त होने वाली थी। यह आदेश उन विदेशी नागरिकों को दिए गए वीजा पर लागू नहीं है जो पहले से छात्र वीजा पर अमेरिका में रह रहे हैं और नए एच–1बी वीजा पाने वालों में जिनकी बड़ी हिस्सेदारी है। यह मौजूदा वीजा के नवीनीकरण पर भी लागू नहीं था। राष्ट्रपति ने एक अलग घोषणा भी जारी की है, जिसमें विभिन्न सरकारी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के जरिये एच–1बी वीजा आवेदनों की जांच और कड़ी करने का प्रावधान है। आदेश में विदेश मंत्री, श्रम मंत्री और गृह सुरक्षा मंत्री को निर्देश दिया गया है कि एच–1बी वीजा आवेदनों पर विचार करते समय वे यह भी देखें कि क्या आवेदनकर्ता नियोक्ता ने समान पदों पर कार्यरत अमेरिकी कर्मचारियों की हाल में छंटनी की है या वह ऐसा करने की योजना बना रहा है। ट्रंप ने कार्यकारी आदेश में कहा कि एच–1बी गैर प्रवासी वीजा कार्यक्रम की शुरुआत अत्यधिक विशिष्ट कौशल वाले विदेशी अस्थायी कर्मचारियों की पहचान करने और अमेरिकी अर्थव्यवस्था की जरूरतों को रणनीतिक रूप से पूरा करने के लिए की गई थी। ट्रंप ने कहा, ''इसके बजाय कुछ नियोक्ताओं, तीसरे पक्ष के जरिये कर्मचारियों की नियुक्ति करने वाले समूहों और आउटसोर्सिंग कंपनियों ने अमेरिकी कुशल श्रमिकों को कम वेतन देने और उन्हें नौकरियों से निकालने के लिए इस कार्यक्रम का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया है।